04 - पश्चिम एशिया की उथल-पुथल में भारत की संतुलित कूटनीति

05 - हंसी-ठिठोली का वैश्विक उत्सव है मूर्ख दिवस

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 1 अप्रैल, 2026

06 - छोटा महावीरजी कागदीपुरा में 24 वे तीर्थंकर भगवान...

07 - 'माँ नर्मदा के आंचल में संवर्धन का संकल्प'

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 208, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

वैश्विक संकट की जड़ : हथियारों की होड़ बनाम विश्वास की कमी?

अरुण कुमार त्रिपाठी

ईरान, अमेरिका-इसराइल युद्ध की असली वजह क्या है? दुनिया में बढ़ती हथियारों की दौड़ और देशों के बीच घटते भरोसे ने वैश्विक संकट को गहरा किया है। क्या यही असली जड़ है?

इसराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध ने विश्व व्यवस्था के लिए जो खतरा पैदा किया है उस पर चिंताएं पैदा हो रही हैं लेकिन उनकी गंभीरता और उनका स्तर वह नहीं है जो होना चाहिए। अभी अधिक से अधिक प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकारों की आलोचनाएँ हो रही हैं। लेकिन ठोस कार्रवाइयां नहीं हो रही हैं, जबकि पिछली सदी में जारी घोषणा पत्रों का हिस्सा अनिवार्य सैनिक भर्ती का विरोध और हर तरह के युद्ध का नकार था।

सेना में अनिवार्य भर्ती के विरुद्ध एक ऐसा ही घोषणा पत्र 1926 में जारी हुआ था जिस पर एनी बेसेंट, मार्टिन बूबर, एडवर्ड कारपेंटर, अल्बर्ट आइंस्टीन, महात्मा गांधी, रोमां रोला, बर्ट्रेंड रसेल, रवींद्र नाथ टैगोर, एचजी वेल्स वगैरह के हस्ताक्षर थे। आज भी उसी तरह का हस्ताक्षरित पत्र इसराइल से बाहर रहने वाले यहूदियों के 120 नेताओं की ओर से सामने आया है। उनका कहना है कि हिंसा न सिर्फ नैतिक रूप से शर्मनाक है बल्कि इसराइल के भविष्य के लिए रणनीतिक ख़तरा है। यह पत्र इसराइली राष्ट्रपति इजाक हरजोग को संबोधित है। इसमें कहा गया है कि पश्चिमी तट के निर्दोष फिलस्तीनियों पर यहूदी और इसराइली अतिवादियों द्वारा बरपाया गया कहर एक क़िस्म की चेतावनी है। इसराइली इतिहासकार युआल नोवा हरारी का कहना है कि अगर हम फिलस्तीनियों के प्रति अपना व्यवहार नहीं बदलते तो इसराइल ऐतिहासिक तबाही का शिकार होगा। नेतन्याहू और उनके सहयोगी संगठन इसराइल के भविष्य के बारे में उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम नहीं हैं।

हरारी का कहना है कि इसराइल के शासक सैम्सन के सिद्धांत पर चल रहे हैं। सैम्सन बाइबल का एक चरित्र है जिसने फिलस्तीनी मंदिर के खंबे को इस तरह से पकड़ कर खींचा कि मंदिर भरभरा कर गिर गया और उसके मलबे में हजारों फिलिस्तीनियों के साथ वह भी दब कर मर गया। इसी सिद्धांत का रूपक देते हुए अमेरिकी पत्रकार सैमुअल हर्श ने एक किताब लिखी है, जिसका शीर्षक हैः- द सैम्सन आप्शनः इसराइलस न्यूक्लियर आप्शन एंड अमेरिकन फॉरेन पॉलिसी। यह पुस्तक इसराइल के नाभिकीय प्रोग्राम की कहानी कहती है जिसमें इसराइल की इस पहल से कैनेडी से निक्सन तक कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को चिंतित दिखाया गया है।

इसराइल-अमेरिका और ईरान के मौजूदा परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए हरारी कहते हैं कि हम नई किस्म की वैश्विक अव्यवस्था में प्रवेश कर रहे हैं। यह एक तरह का साम्राज्यवादी युग है जिसकी आहट साफ़ सुनाई पड़ रही है। इसमें 2000 वर्षों की यहूदी संस्कृति और लोकतंत्र नष्ट होने जा रहा है। उनका मानना है कि आज के दस साल पहले ऐसी विश्व व्यवस्था थी या उसका आभास था कि कोई देश किसी पर बेवजह और ग़ैर क़ानूनी तरीक़े से हमला नहीं करेगा। इस व्यवस्था में छोटे-छोटे देश भी अपने को सुरक्षित महसूस करते हुए सैन्य व्यवस्था पर खर्च कम रहे थे और शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ा रहे थे। वैसा मानव इतिहास में पहली बार हो रहा था लेकिन अब वह प्रणाली बदल रही है। यहीं पर वे सवाल करते हैं कि क्या आप अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को युद्ध द्वारा प्राप्त करेंगे या फिर विश्वास के माध्यम से? क्योंकि ऊर्जा सिर्फ ईंधन नहीं है बल्कि सभ्यताओं के बीच कायम होने वाला एक विश्वास का रिश्ता है। लेकिन तनाव और युद्ध कम करने के लिए वैकल्पिक और विशेषकर सौर ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाना ज़रूरी है क्योंकि उनके वैश्विक वितरण में अधिक साम्य है।

पर यह काम न तो सत्ता प्रतिष्ठानों को महज गाली देते रहने से हो पाएगा और न ही उनकी अंधभक्ति करने से। सत्ता प्रतिष्ठानों के मनुष्य विरोधी, नैतिकता विरोधी और पृथ्वी विरोधी चरित्रों को उजागर करने का सिलसिला रुकना नहीं चाहिए। ऐसी देशभक्ति और ऐसा राष्ट्रवाद दुनिया के लिए विनाशकारी होंगे जिनमें महज अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधी हितों की चिंता की जाती है। क्योंकि अगर विश्व व्यवस्था अस्थिर होगी तो किसी भी राष्ट्र का हित नहीं सधने वाला है बल्कि अहित ही होगा। तमाम तरह की मिसाइलों और उनकी मारक क्षमताओं पर रोमांचित होने वालों को समझना चाहिए कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के यह नए आविष्कार न तो विज्ञान के हित में है और न ही सामाजिक व्यवस्था के हित में।

भौतिक विज्ञानी पॉल लैंगेविन ने विज्ञान और युद्ध के संबंधों में जो घोषणा जारी की थी उस पर अल्बर्ट आइंस्टीन ने हस्ताक्षर किए थे। चूंकि विज्ञान की प्रगति पर कोई सीमा लगाई नहीं जा सकती इसलिए युद्ध को रोकना ही एक मात्र विकल्प है। हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सैद्धांतिक रूप से हर प्रकार के युद्ध का विरोध करें।

निश्चित तौर पर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था के निर्माण में इन घोषणाओं और संकल्पों का बड़ा योगदान था। उसके बाद अगर किसी अन्य देश पर परमाणु बम का प्रयोग नहीं हुआ तो इन तमाम चेतावनियों का प्रभाव था, भले ही उस व्यवस्था में तमाम कामियां थीं और एनपीटी और सीटीबीटी का पाखंड था जिसके कारण भारत, पाकिस्तान और इसराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बना डाले। लेकिन उस विवेक ने एक शांतिपूर्ण सहअस्तित्व पर आधारित व्यवस्था की आशा जगाई थी। उसने यह सपना दिखाया था कि दुनिया 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलेगी। आज उस विश्वास की धज्जियां उड़ रही हैं। विडंबना है कि गांधी, बुद्ध, महावीर और गुटनिरपेक्ष आंदोलन का देश भारत भी अमेरिका-इसराइल की इस धुरी का हिस्सा बन रहा है।

हो सकता है जब हथियारों के बजाय विश्वास का उद्योग लगाया जाए और जब तक सरकार न समझे तब तक ऐसी नागरिक और जनशक्तियों को जगाया जाए जो परमाणु बम से लेकर हर प्रकार के शस्त्र का विरोध करें। अंतरराष्ट्रीय विवादों को हिंसा के बजाय बातचीत से हल करने का सिद्धांत तैयार करें और उसका प्रचार करें। दुनिया में ऊर्जा के अधिकतम उपभोग की सभ्यता को सभ्यता कहना बेमानी है। युद्ध का एक कारण पिछले तीस सालों में तैयार हुआ भयानक उपभोग पर आधारित समाज भी है जो झूठ, घृणा, हिंसा और युद्ध पर आधारित राष्ट्रवाद को पसंद करता है और शारीरिक सुख के अलावा कुछ देखता नहीं है। लेकिन वह यह नहीं सोचता कि यह धरती सिर्फ उसी के उपभोग के लिए नहीं है। यह काम संयम के विचार और पारस्परिक विश्वास और एक उच्च स्तरीय नैतिकता से ही हो सकेगा और उसके लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

हे नेताओं, यह याद रखो,
दुनिया मूर्खों पर कायम है
मूर्खों की वोटें ज्यादा हैं,
मूर्खों के चंदे में दम है।
हे प्रजातंत्र के परिपोषक,
बहुमत का मान करे जाओ!
जब तक हम मूरख जिन्दा हैं,
तब तक तुमको किसका ग़म है?
इसलिए भाइयों, एक बार
फिर बुद्धूपन की जय बोलो!
अक्कल के किवाड़ बंद करो,
अब मूरखता के पट खोलो।
यह विश्वशांति का मूलमंत्र,
यह राम-राज्य की प्रथम शर्त,
अपना दिमाग गिरवीं रखकर,
खाओ, खेलो, स्वच्छंद बनो!
अब मूर्ख बनो, मतिमंद बनो!

– गोपाल प्रसाद व्यास

बिहार के नालंदा के मंदिर में हादसा

भगदड़ में 9 की मौत

● इनमें 8 महिलाएं, राष्ट्रपति की सुरक्षा में 2500 जवान, 10 हजार श्रद्धालुओं के लिए कोई नहीं

पटना/नालंदा (एजेंसी)। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है।

मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी।

एसएचओ राजमणि को सस्पेंड किया

हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं मृतकों के परिजनों के 6 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की।

तीन बड़े कारण

- मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था नहीं की
- चोर दरवाजे से दर्शन कराए जा रहे थे
- 10 हजार की भीड़, पुलिस- प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं।

राष्ट्रपति - प्रधानमंत्री ने जताया दुख, 2 लाख मुआवजे का ऐलान

बिहार के नालंदा में एक मंदिर में हुई भगदड़ में अनेक श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं सभी शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। पीएम मोदी ने मंगलवार को बिहार के नालंदा के शीतला माता मंदिर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इसमें जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की और 2 लाख मुआवजे की घोषणा की।

सीएम मोहन यादव पहुँचे बाबा विश्वनाथ की शरण में

मप्र और उप्र मिलकर लिखेंगे सुशासन और आध्यात्मिक पर्यटन की नई इबारत : सीएम डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें 'विरासत के साथ विकास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए सुशासन और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में साझा संस्कृति विकसित कर रही हैं। यह न केवल दोनों राज्यों के संबंधों को प्रगाढ़ करेगा, बल्कि जन-कल्याण के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भ्रमण के दौरान कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने वाराणसी भ्रमण की शुरूआत देवादिदेव महादेव श्री काशी विश्वनाथ जी के दर्शन और पूजन के साथ किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधि-विधान से पूजन कर मध्यप्रदेश की जनता की खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पावन गंगा घाट पहुँचकर पतित पावनी माँ गंगा के दर्शन किए। उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ माँ गंगा का पूजन किया और गंगाजल से आचमन किया। दर्शन और पूजन के बाद उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ के धाम में आकर जो आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है, वह अद्भुत है।

काशी-महाकाल के बीच व्यवस्थाओं का साझा संगम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को वाराणसी भ्रमण के दौरान विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और बाबा महाकाल के धामों के बीच व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दर्शनार्थियों को सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सिंहस्थ-2028 के लिए प्रबंधन का रोडमैप

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी के अनुभवों को मध्यप्रदेश के उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ-2028 के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रेजेंटेशन से कॉरिडोर में तीर्थयात्री प्रबंधन, क्राउड कंट्रोल (भीड़ प्रबंधन), दर्शन व्यवस्था और मोबाइल ऐप आधारित टोकन सिस्टम का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज कुंभ और काशी कॉरिडोर के प्रबंधन से सीख लेकर हम उज्जैन में श्रद्धालुओं के लिए दूरगामी योजनाएं तैयार कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन की उच्चतम और सुगम व्यवस्था देना हमारा लक्ष्य है। प्रेजेंटेशन से तीर्थ स्थल प्रबंधन की एसओपी को समझा। इसमें रियल टाइम सीसीटीवी मॉनिटरिंग, जोन-बेस्ड क्राउड कंट्रोल, सुरक्षा प्रोटोकॉल और स्वच्छता प्रबंधन के आधुनिक तौर-तरीकों पर चर्चा की गई।

वाराणसी में महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और न्यायप्रियता को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आगामी 3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में महानाट्य का मंचन किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य शोध संस्थान के माध्यम से आयोजित होने वाले इस महानाट्य में सैकड़ों कलाकार हिस्सा लेंगे, जिसमें हाथी, घोड़े और ऊंटों के साथ प्राचीन विधाओं का जीवंत प्रदर्शन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच बढ़ते आर्थिक और बुनियादी ढांचे के सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से दोनों राज्यों के किसानों का भाग्य बदल रहा है।

● टोल प्लाजा पर आज से नगद भुगतान नहीं होगा

आज से बदल जाएंगे यह नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर नगद भुगतान बंद हो जाएगा। वाहन चालक सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट के जरिए ही टोल टैक्स चुका सकेंगे। इसके अलावा, मंगलवार रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो गई।

फास्टैग अकाउंट एक्टिव कर लें

- **सरकारी स्कीम्स एक्टिव रखें-** पीपीएफ, एनपीएस और सुकन्या में डालें मिनिमम बैलेंस रखे नहीं पेनाल्टी लगेगी।
- **पुरानी टैक्स रिजीम में सेविंग का मौका-** 80सी और 80डी के तहत निवेश करें। 1 अप्रैल या उसके बाद किया गया निवेश अगले साल के खाते में गिना जाएगा।
- **सैलरी क्लास के लिए जरूरी-** ऑफिस में जमा करें इन्वेस्टमेंट प्रूफ। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करने होंगे।

हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के द्रास में बर्फबारी, दिल्ली में धुंध छाई

● मप्र-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश के साथ ओले गिरे

नईदिल्ली/शिमला/मुंबई/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होने के कारण 5 अप्रैल तक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश के साथ ओले गिरे। मौसम विभाग के मुताबिक, आज 16 राज्यों में बारिश की संभावना है। वहीं दिल्ली में मंगलवार सुबह धुंध छाई थी और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश भी हुई।

राजस्थान के 6 जिलों में बारिश हुई, जिससे तापमान में 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के 8 जिलों में ओले गिरे। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर समेत चार जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

असम चुनाव के लिए बीजेपी का घोषणापत्र जारी

● पांच साल में 2 लाख सरकारी नौकरियों का वादा ● लव जिहाद पर एक्शन लेंगे

बांग्लादेशी मुस्लिमों की कब्जाई जमीन वापस लेंगे, कुल 31 वादे किए हैं

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार सुबह असम के लिए मेनिफेस्टो (संकल्प पत्र) जारी किया। इसमें लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में यूसीसी लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए अरुनोदोई योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि 1250 से बढ़ाकर 3 हजार करने का वादा किया है। लखपति दीदी योजना के तहत 40 लाख महिलाओं को 25,000 तक की सहायता देने की भी योजना का ऐलान किया है।

- **लिएंडर पेस भाजपा में शामिल, बोले- अब सेवा का वक्त-** पूर्व दिग्गज टेनिस स्टार लिएंडर पेस मंगलवार को भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- यह मेरे लिए खेल और युवाओं की सेवा करने का एक बड़ा मौका है। मैंने 40 साल तक देश के लिए खेला, अब युवाओं की सेवा करने का समय आ गया है।

- **किरेन रिजिजू बोले- उम्मीद है लिएंडर पेस बड़ी पारी खेलेंगे-** दिल्ली में टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के भाजपा में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- यह जश्न मनाने का पल है कि ऐसे महान खिलाड़ी भाजपा में शामिल हुए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप भाजपा के मंच पर एक बड़ी पारी खेलेंगे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 1 अप्रैल 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में ईसी ऑफिस के बाहर भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

ममता का आरोप- भाजपा ने बंगाल में अवैध वोटरों के नाम जोड़ने की कोशिश की

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चुनाव आयोग के ऑफिस (ईसीओ) के बाहर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं। इधर सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि

भाजपा बिहार, उत्तर प्रदेश के अवैध वोटरों को बंगाल के वोटर लिस्ट में शामिल करने की कोशिश कर रही है। ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा- भाजपा के एजेंटों को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन जमा करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। यह वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है, वही गंदा खेल जो भाजपा ने महाराष्ट्र और दिल्ली में खेला था।

केरल में राहुल गांधी बोले-

बुजुर्गों को 3 हजार पेंशन, युवाओं को 5 लाख तक लोन देंगे

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर राज्य में बुजुर्गों को 3,000 पेंशन दी

जाएगी। उनके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा।

राहुल ने कहा- जो भी युवा अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं, उन्हें रू. 5 लाख तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। ओमन चांडी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम नाम से एक नई योजना शुरू की जाएगी जिसके तहत हर परिवार को 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा।

आज से एक-दो महीने बाद देश में वित्तीय भूकंप आएगा- केरल के कोझिकोड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर कहा कि आने वाले समय में इसका असर भारत पर पड़ेगा और एक 'आर्थिक भूचाल' की स्थिति बन सकती है।

कानपुर में एमबीए स्टूडेंट की किडनी निकालकर बेची

● 10 लाख में फंसाया, 60 लाख में बेची, किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का खुलासा

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में पुलिस ने अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का सोमवार देर रात खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक, एक एमबीए छात्र की किडनी 10 लाख रुपए में खरीदी गई और मरीज को 60 लाख रुपए में बेची गई। तय

सौदे के अनुसार छात्र को 50 हजार रुपए कम दिए गए। इसके बाद उसने पुलिस को फोन कर मामले की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर सोमवार देर रात पुलिस ने शहर के मेड लाइफ हॉस्पिटल, अहूजा हॉस्पिटल और प्रिया हॉस्पिटल में एक साथ छापेमारी की। पुलिस का कहना है कि मेड लाइफ हॉस्पिटल में किडनी डोनर एमबीए छात्र और किडनी पाने वाला मरीज भर्ती मिले। जब ट्रांसप्लांट से जुड़े दस्तावेज मांगे गए, तो अस्पताल कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े आरोप में अहूजा हॉस्पिटल की मालकिन डॉ. प्रीति आहूजा, उनके पति डॉ. सुरजीत और एक दलाल शिवम समेत कुल 10 लोगों को हिरासत में लिया है।

मायके से मिली संपत्ति पर पति का अधिकार नहीं

● पारिवारिक विवाद पर आंध्र हाईकोर्ट बोला- निसंतान महिला का सबकुछ पिता के वारिस को मिलेगा

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी हिंदू महिला को माता-पिता से विरासत में संपत्ति मिली है और उसकी मौत बिना संतान, वसीयत किए बिना ही हो जाती है, तो उस संपत्ति पर पति-ससुराल का कानूनी हक नहीं होगा। ऐसी संपत्ति महिला के पिता के कानूनी वारिसों को जाएगी। जस्टिस तारलाडा राजशेखर राव ने कहा-हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(ए) इस बारे में साफ है। अगर महिला को पिता या मां से संपत्ति मिली हो और उसकी कोई संतान न हो, तो उसकी मौत के बाद वह संपत्ति पिता के वारिसों को जाएगी। पति का उस संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा।

महिला की नानी की वसीयत को लेकर था विवाद

मामला एक परिवार की संपत्ति से जुड़ा है। 2002 में एक महिला ने अपनी संपत्ति पहली नातिन को गिफ्ट कर दी थी। 2005 में उस नातिन की बिना संतान मौत हो गई। इसके बाद नानी ने पुराना गिफ्ट रद्द कर संपत्ति दूसरी नातिन के नाम वसीयत कर दी। 2012 में दादी की मौत के बाद दूसरी नातिन ने राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का आवेदन किया।

राजस्व अधिकारी ने दूसरी नातिन के पक्ष में आदेश दिया, लेकिन मृत नातिन के

पति ने इसे चुनौती दी। जॉइंट कलेक्टर ने आरडीओ का फैसला पलट दिया और पति के पक्ष में म्यूटेशन करने का निर्देश दिया। कहा गया कि शुरुआती गिफ्ट डीड रद्द करना कानूनी रूप से वैध नहीं था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा।

हाईकोर्ट बोला-

पति की आय बढ़ा-चढ़ाकर बताना 'झूठा' नहीं

पारिवारिक विवाद से जुड़े ऐसे ही एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि भरण-पोषण (मेंटेनेंस) के मामलों में पत्नी का पति की आय बढ़ाकर बताना आम बात है। सिर्फ इसी आधार पर पत्नी के खिलाफ झूठा बयान देने (परजरी) की कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट ने पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने पत्नी पर कार्रवाई की मांग की थी।

सिवनी में नारकोटिक्स टीम ने बोला धावा

पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों में रखकर हो रही थी गांजे की तस्करी

सिवनी (नप्र)। नेशनल हाइवे-44 पर मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) भोपाल की टीम ने मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 114 किलो गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश के लखनादौन थाना क्षेत्र में की गई, जहां संदिग्ध वाहन को टोल प्लाजा के पास रोककर तलाशी ली गई।

पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों का इस्तेमाल- जांच के दौरान तस्करों ने बड़ी चतुराई से गांजे को छिपाने के लिए पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों का सहारा लिया था। डिब्बों के नीचे गांजे के पैकेट इस तरह छिपाए गए थे कि पहली नजर में किसी को शक न हो। हालांकि एनसीबी की सतर्क टीम ने बारीकी से जांच करते हुए पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया।

दो आरोपी गिरफ्तार- कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह मादक पदार्थ छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में सप्लाई के लिए ले जाया जा रहा था। आरोपियों के नेटवर्क और इस तस्करी में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

लाखों में है गांजे की कीमत- एनसीबी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम है। बरामद गांजे की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की तस्करी को रोकने के लिए लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फिलहाल पुलिस और नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो की टीम मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी पता करने में जुटी है कि रायसेन में गांजे की खेप किसे डिलीवर होनी थी।

● गुजरात में पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया, कहा-

भारत को इस सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने का कोरोना काल में संकल्प लिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट (ओएसएटी) का उद्घाटन किया। इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की। पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं। उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा। पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स

सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था।

वाव थराद में 19,800 करोड़ की विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

गुजरात के बनासकांठा के वाव-थराद से पीएम मोदी ने अहमदाबाद धोलेरा एक्सप्रेसवे का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने रेल, जल और सड़क के साथ दूसरे विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

भारत इस दिशा में मिशन मोड पर काम कर रहा

2021 में भारत ने इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन शुरु किया था। यह मिशन सिर्फ एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का ऐलान था। अच्छा होता कि यह काम आज से 30-40 साल पहले शुरू हो गया होता। लेकिन, भारत अब इस दिशा में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस दिशा में एक मिशन मोड पर काम कर रहा है।

आमने-सामने भिड़ीं बाइकें, दो युवकों की मौत, तीन घायल

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर के नईसराय-शाढ़ौरा रोड पर मंगलवार सुबह दो बाइकों की टक्कर हो गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर है। हादसा करीब 9 बजे बीसौर गांव के पास हुआ। पुलिस ने घायलों और शवों को अस्पताल भिजवाया।

नईसराय थाना प्रभारी मनीष सिंह गुर्जर के अनुसार- कालुआखेड़ी निवासी विशाल जाटव रिश्तेदार सुनील जाटव के साथ बाइक से नईसराय की ओर जा रहा था। बीसौर गांव के सपेरा डेरा निवासी गोविंद नाथ, राजा नाथ और बंटी नाथ के साथ बाइक से अपने डेरे की ओर लौट रहा था। बीसौर गांव के पास दोनों बाइक आमने-सामने आ गईं। स्पीड ज्यादा होने से दोनों ही बाइक अनियंत्रित होकर भिड़ गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि विशाल जाटव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल गोविंद नाथ ने अस्पताल लेकर जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल- 112 मौके पर पहुंचा। घायलों में एक को नईसराय अस्पताल, जबकि दो को शाढ़ौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा। वाहन में जगह नहीं होने पर टीआई अपनी गाड़ी से विशाल जाटव के शव को अस्पताल लेकर पहुंचे।

ईरान लगाएगा, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल

● संसदीय समिति की मंजूरी, नेतन्याहू बोले- जंग कब खत्म होगी, नहीं बता सकता ● इटली-स्पेन ने अमेरिका को एयर स्पेस देने से किया इंकार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का फैसला किया। ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लान के तहत जहाज ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल देंगे। इसका अलावा प्लान में अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों की एंट्री पर रोक लगाने का प्रावधान भी शामिल है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें नहीं पता ईरान के साथ चल रही जंग कब खत्म होगी। इसका समय तय नहीं किया जा सकता।

इटली और स्पेन ने अपने मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से इंकार किया- पहले स्पेन अब इटली ने अमेरिका को अपने सिगोनेला मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यह बेस सिसिली आइलैंड पर है।

ट्रम्प बोले-

● होर्मुज के रास्ते तेल नहीं मिल रहा तो हमसे खरीदो- डोनाल्ड ट्रम्प ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन जैसे देश जो होर्मुज स्ट्रेट से फ्यूल नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास पर्याप्त तेल है। उन्होंने कहा कि ये देश हिम्मत दिखाएं, होर्मुज तक जाएं और तेल खरीद लें।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत

इनमें चार महिलाएं, एक बच्चा शामिल

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की कि किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

दिल्ली-मुंबई की तर्ज पर अब 24 घंटे जागेगी 'पिंक सिटी'

● 'नाईट लाइफ' पर आ गई खुशखबरी, यह शर्तें और नियम हैं

जयपुर (एजेंसी)। क्या आपने कभी सोचा है कि रात के 2 बजे आपको जयपुर के जौहरी बाजार में गर्मागर्म कचौरी मिले या फिर एमआई रोड पर कोई आलीशान मॉल आपके स्वागत के लिए खुला हो? जी हां, जयपुर की रातों की खामोशी अब टूटने वाली है। राजस्थान सरकार ने 'पिंक सिटी' को कभी न सोने वाला शहर बनाने की तैयारी पूरी कर ली है। श्रम विभाग के नए मसौदे के साथ अब जयपुर की 'नाइट लाइफ' को नया पंख मिलने वाला है।

नींद को कहिए बाय-बाय, अब तो पार्टी शुरू हुई है!- जयपुर अब केवल किलों और महलों का शहर नहीं रहेगा, बल्कि यह दुबई और मुंबई की तर्ज पर 24 घंटे

गुलजार रहने वाला नाइट टूरिज्म डेस्टिनेशन बनेगा। बजट 2026-27 की घोषणा के बाद, अब जयपुर संभाग के जयपुर, चौमूं, कोटपूतली और शाहपुरा जैसे इलाकों में बाजार, रेस्त्रां और शॉपिंग सेंटर दिन-रात खुले रहेंगे। पर्यटकों के लिए यह किसी सपने से कम नहीं होगा। आमेर के महलों की रोशनी देखने के बाद अब आपको खाने या शॉपिंग के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं होगी।

नौकरी और नोटों की होगी बारिश

यह फैसला केवल मजे के लिए नहीं, बल्कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में 'बूस्टर' का काम करेगा। जब बाजार 24 घंटे खुलेंगे, तो दुकानों और शोरूम्स में 'नाइट शिफ्ट' के लिए अतिरिक्त स्टाफ की जरूरत होगी। इससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। आजीवन रजिस्ट्रेशन की नई व्यवस्था से अब दुकानदारों को लाइसेंस के लिए बाबुओं के चक्कर नहीं काटने होंगे। 10 से कम कर्मचारी वाले छोटे ढाबों और दुकानों को रजिस्ट्रेशन में विशेष छूट मिलेगी, जिससे शहर के कोने-कोने में सुविधाएं मिलेंगी।

इन शहरों में अब 24 घंटे खुलेंगे बाजार

राजस्थान सरकार के नए फैसले के तहत पहले चरण में प्रदेश के दो प्रमुख संभागों के महत्वपूर्ण शहरों में 24 घंटे बाजार खोलने की अनुमति दी गई है। जयपुर संभाग में राजधानी जयपुर सहित चौमूं, कोटपूतली, अलवर, भिवाड़ी, सीकर, झुंझुनूं और टोंक जैसे 32 शहरों को शामिल किया गया है, वहीं जोधपुर संभाग में जोधपुर शहर के साथ फलोदी, पाली, जालोर, सिरोही, नागौर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे 26 प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में अब रात भर रौनक रहेगी।

कामगारों के लिए रखी गई ये शर्तें

सरकार ने नाइट लाइफ को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मचारियों के अधिकारों का भी ख्याल रखा है। नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त शर्तें हैं-

● **शिफ्ट की लिमिट :** किसी भी कर्मचारी से दिन में 10 घंटे से ज्यादा काम नहीं लिया जा सकेगा।
● **वीकली ऑफ :** सप्ताह में एक दिन सवैतनिक अवकाश देना अनिवार्य होगा। ● **सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम :** रात में पुलिसिंग और सुरक्षा को लेकर सरकार विशेष योजना बना रही है ताकि आधी रात को भी लोग बेखौफ होकर घूम सकें।

प्रदेश में आज से दूध भी महंगा

इंदौर में 3, धार में 4 रुपए का इजाफा, सांची ने अभी नहीं बढ़ाए रेट

भोपाल/इंदौर (नप्र)। महंगाई की मार अब आम आदमी की रसोई तक पहुंच गई है। नए वित्तीय वर्ष यानी आज 1 अप्रैल से इंदौर सहित मध्य प्रदेश के कई बड़े शहरों में दूध के दामों में भारी बढ़ोतरी होने जा रही है। इंदौर में दूध की कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है, जिससे अब दूध 63 से 65 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिलेगा। दूध विक्रेताओं ने नई दरों का एलान कर दिया है। इंदौर में जहां 3 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, वहीं पड़ोसी जिले धार में

कीमतें 4 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा दी गई हैं। मप्र दुग्ध विक्रेता महासंघ के अध्यक्ष भारत मथुरावाला के अनुसार, केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, देवास और बड़वाह जैसे शहरों में भी 2 से 4 रुपए तक की बढ़ोतरी की जाएगी। संघ का कहना है कि अगर पशु आहार जैसे कपास खली, चारा और भूसे के दाम बढ़ते रहे तो भविष्य में फिर से कीमतों पर विचार किया जा सकता है।

राज्यपाल ने की लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष विभाग की समीक्षा

रोगियों के उपचार प्रयासों में सेवा भाव प्रमुख : राज्यपाल

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा मानवता की सेवा है। इससे आत्म संतोष मिलता है। प्रदेश को सिकल सेल और टी.बी. मुक्त बनाने के प्रयासों में सेवाभाव को सर्वोपरि होना चाहिए। राज्यपाल पटेल मंगलवार को लोकभवन में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन 2047 एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा जवाहर खण्ड सभागार में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल रोगियों को आयुष्मान योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाएं और पात्रता आदि की समुचित जानकारी दें। प्रदेश स्तरीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शून्य से 40 वर्ष तक के व्यक्तियों की विशेष तौर पर जाँच करें। जाँच शिविरों में आमजन को बताएँ कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सिकल सेल एनीमिया का इलाज कवर होता है। उन्होंने आयुष्मान योजना के तहत सिकल सेल रोगियों के इलाज की जिलेवार समीक्षा की।

जन प्रतिनिधि पोषण आहार वितरण में करें सक्रिय सहयोग- राज्यपाल पटेल ने बैठक में टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश को टी.बी. मुक्त बनाने स्थानीय जन प्रतिनिधियों का

सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विशेष कर जनजातीय क्षेत्रों के जन प्रतिनिधि टी.बी. रोगियों को पोषण आहार वितरण में सक्रिय सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल ने निःक्षय मित्रों की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में और अधिक निःक्षय मित्रों को जोड़कर पोषण आहार वितरण को बढ़ाने के प्रयासों पर बल देने के निर्देश दिए है।

खनन क्षेत्रों में भी कराएं टी.बी. की सघन जाँच- राज्यपाल श्री पटेल ने खनन क्षेत्रों में निवासरत और कार्यरत व्यक्तियों की टी.बी. जाँच कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सिकल सेल जाँच लक्ष्य एवं पूर्ति, जेनेटिक कार्ड वितरण, हाईड्राक्सी यूरिया की उपलब्धता, गर्भावस्था में माताओं और शिशुओं का सिकल सेल प्रबंधन, सिकल सेल रोगियों को आयुष्मान कार्ड वितरण, आयुष्मान योजना का लाभ, दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरण, 125 दिवसीय सिकल सेल जागरूकता अभियान आदि विस्तार से समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति, सिकल सेल और टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम के विभिन्न मानको को शत-प्रतिशत पूरा करने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री पटेल को आयुष विभाग के प्रमुख सचिव श्री शोभित जैन ने जिलेवार दवा वितरण, घर-घर दवाई वितरण, जाँच आदि कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। श्री जैन ने अनुसूचित जनजाति बाहुल्य जिलों में औषधि वितरण के विशेष प्रयासों और नवाचारों की जानकारी भी दी। राज्यपाल श्री पटेल को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की उपलब्धियों, सघन स्क्रीनिंग, 100 दिवसीय निःक्षय अभियान, निःक्षय मित्र, पोषण आहार वितरण आदि की जानकारी दी। राज्यपाल श्री पटेल के निर्देशानुसार प्रारंभ किए गए अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में विद्यार्थियों की टी.बी. जाँच, परामर्श, उपचार आदि के बारे में भी बताया।

बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण के अपर मुख्य सचिव श्री अशोक कुमार बर्णवाल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती मीनाक्षी सिंह, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं आयुष विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और लोकभवन के अधिकारी मौजूद रहे।

घूरने की बात पर युवक को चाकू मारे

पेट और हाथ में तीन वार किए, युवक का हमीदिया अस्पताल में चल रहा इलाज

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रंभा नगर में सोमवार देर रात घूरने के विवाद में 6 लोगों ने मिलकर एक युवक की जमकर पिटाई की। उसके पेट और हाथ में चाकू से तीन वार किए गए। इससे युवक को गंभीर चोट आई है। हमीदिया अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौतम नगर पुलिस के मुताबिक गुलफाम पुत्र मोहम्मद जुबैर (31) रंभा नगर थाना गौतम नगर इलाके में रहता है। वह बागफरहत अफजा में लेडीज टेलर की दुकान चलाता है। रंभा नगर में साजिद मौलाना और शाहजाद मौलाना रहते हैं। रविवार की रात को साजिद के घर के करीब ही गुलफाम एक टॉप एंड टाउन में खड़ा था।

घर के करीब रोककर पीटा

साजिद ने उसे कहा कि तू घूरता क्यों है, इस बात का गुलफाम ने विरोध किया और दोनों के बीच बहस हो गई। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को गुलफाम घर जा रहा था। तभी साजिद और उसके बेटे ने दोबारा उसे घूरने की बात पर घर के करीब रोका और पीटना शुरू कर दिया। यह देखकर पड़ोस में रहने वाला साजिद का भाई शाहजाद उसका बेटा, साहिल बच्चा और बिलाल बच्चा ने भी उसे पीटा।

लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गए आरोपी

साहिल और बिलाल ने चाकू से गुलफाम पर वार किए, जिससे उसे गंभीर चोट आई, इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने घायल गुलफाम को अस्पताल पहुंचाया। जहां से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

करंट लगने से मजदूर की मौत

मार्बल घिसाई करते समय हादसा हुआ, मशीन में लगा था कटा हुआ तार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोहेफिजा इलाके में मार्बल की घिसाई करते समय एक मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पीएम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है।

सोनू वर्मा पुत्र पूरन सिंह वर्मा (25) मूलरूप से राजगढ़ का रहने वाला था। फिलहाल भोपाल की भानपुर मल्टी में किराए से रहता था। भोपाल में ही मार्बल घिसने वाली मशीन की आपरेटिंग का जॉब करता था। लालघाटी में उसकी साइट चल रही है।

मार्बल क्लिनिंग करते वक्त हादसा- मंगलवार की दोपहर को साइट पर मार्बल क्लिनिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान उसे कटे हुए तार से करंट लग गया। इससे उसकी मौत हो गई। काफी देर तक जब मशीन चलने की आवाज नहीं आई तो साथी उसे चेक करने पहुंचा। जहां सोनू जमीन पर बेसुध हालत में मिला। तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

रीवा के संजय गांधी अस्पताल में युवती ने भोजपुरी गाने पर बनाई रील

प्रबंधन ने कहा- जांच के बाद करेंगे कड़ी कार्रवाई

रीवा (नप्र)। संजय गांधी अस्पताल के वार्ड में एक युवती द्वारा रील बनाने का मामला सामने आया है। युवती ने गले में बाकायदा अस्पताल के ठेका कंपनी का आईकार्ड भी पहन रखा है और फिल्मी गाने में रील बनाई। यह वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने इसे आपत्तिजनक घटना मानते हुए मामले की जांच की बात कही है।

अस्पताल के वार्ड में बनाई रील- रीलबाज किसी जगह की परवाह नहीं करते हैं। व्यू के लिए कही भी रील बनाने लगाते हैं। अस्पतालों में कई बार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। अब विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल से यह मामला सामने आया है। यह अस्पताल में आउटसोर्स के जरिए कार्यरत एक युवती ने फिल्मी गानों पर रील बनाई है। युवती के गले में ठेका कंपनी का आईडी कार्ड है। इससे साफ है कि युवती अस्पताल की कर्मचारी है।

रील वायरल होने के बाद उठे सवाल

वहीं, रील वायरल होने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। संजय गांधी अस्पताल प्रबंधन ने इस पर संज्ञान लिया है। अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर राहुल मिश्रा ने कहा कि अस्पताल जैसी जगह पर रील बनाना बहुत ही आपत्तिजनक घटना है। अस्पताल में रील बनाने की अनुमति किसी को भी नहीं है, मामले की जांच कराकर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विंध्य क्षेत्र का है सबसे बड़ा अस्पताल

गौरतलब है कि रीवा स्थित संजय गांधी अस्पताल विंध्य क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां हजारों की संख्या में मरीज हर दिन आते हैं। इसके बावजूद युवती ने मरीजों के वार्ड में घुसकर रील बनाई है। रील में भोजपुरी गाना लगा हुआ है।

भोपाल में 14 हजार से 11,000 पर आई गैस बुकिंग

अफसर बोले-अफवाह से लोगों ने एक्स्ट्रा सिलेंडर जमा किए ; बैरागढ़ से 50 सिलेंडर जब्त

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर 'पैनिक' जैसा माहौल अब सामान्य होने लगा है। भोपाल की बात करें तो यहां गैस सिलेंडर की बुकिंग 3 हजार तक घट गई है। पिछले दिनों हर रोज 14 हजार से ज्यादा बुकिंग हो रही थी, जो पिछले 2 दिन से 11 हजार हो गई है। फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि अफवाहों की वजह से लोगों ने अतिरिक्त सिलेंडर जमा कर लिए। अब कई एजेंसियों पर बुकिंग ही नहीं आ रही है।

फूड कंट्रोलर जादौन ने बताया कि भोपाल की 3 बड़ी एजेंसियों पर ही बुकिंग ज्यादा आ रही है। बाकी में आम दिनों की तुलना से भी कम बुकिंग है। दूसरी ओर, पेंडिंग बुकिंग की संख्या भी कम हो रही है। यह आंकड़ा अब 35 हजार से भी कम ही है।

दो दिन पहले एजेंसियों पर भीड़ लगी थी

दो दिन पहले की बात करें तो भोपाल में 28 से 30 हजार तक बुकिंग हो गई, जबकि सप्लाई 22 हजार तक ही रही। इससे पेंडिंग बुकिंग का आंकड़ा 40 हजार तक पहुंच गया है। वहीं, घरों में सप्लाई भी 4 से 5 दिन में हो रही है।

बैरागढ़ में कार्रवाई, छापे में रखे मिले सिलेंडर

इधर, मंगलवार को खाद्य विभाग ने बैरागढ़ में एक जगह पर दबिश दी। जहां पर घरेलू गैस सिलेंडर रखे हुए थे। तब इनकी गिनती की गई तो यह करीब 50 निकले।

भोपाल में पहले से दोगुनी हो रही बुकिंग

अफसरों ने बताया कि भोपाल में शुरुआत से ही रसोई गैस को लेकर कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन पिछले लोग अफवाह की वजह से पैनिक हो गए। इस कारण बुकिंग संख्या बढ़ गई। भोपाल में ही एजेंसियों के पास 5 से 6 दिन का स्टॉक है। भौंरी स्थित ऑयल डिपो से सिलेंडर की सप्लाई भी जारी है।

'गाड़ी रोककर ट्रैफिक पुलिस ने की अभद्रता, पैसे भी छीने'

भोपाल में गर्भवती महिला का आरोप, एम्स जा रहा था परिवार

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ट्रैफिक पुलिस पर जबरन वसूली का आरोप लगा है। गर्भवती महिला का आरोप है कि अस्पताल ले जाते समय ट्रैफिक पुलिस ने उनकी गाड़ी को रोका और 5 हजार रुपये की मांग की। पैसे नहीं मिलने पर गर्भवती महिला के पति के साथ पुलिस ने अभद्रता की थी। इसके बाद पैसे भी लिए हैं।

यह था मामला- पीड़िता ने अपना नाम सविता बताया है। महिला का आरोप है कि सोमवार को वह अपने पति के साथ सोनोग्राफी कराने के लिए एम्स जा रही थी। इसी दौरान मिसरोद थाने के पास पुलिस ने उसकी गाड़ी रोकी। पुलिस ने ओवर स्पीड का हवाला देते हुए 5000 रुपये की डिमांड की। जिसके बाद महिला के पति ने कहा कि हमारे साथ एक मरीज है हम उसे लेकर एम्स जा रहे हैं। जिस कारण से मैं गाड़ी तेज गति से चला रहा था।

महिला ने बताया कि इसके बाद भी पुलिसकर्मी नहीं माने और गर्भवती महिला और उसके परिवार के साथ अभद्रता करने लगे। महिला ने बताया कि इस दौरान चार ट्रैफिक पुलिस वाले थे। महिला ने कहा कि मेरे पति ने जल्दी अस्पताल पहुंचने की बात कही लेकिन इसके बाद भी पुलिसकर्मियों ने हमें नहीं छोड़ा। जिस कारण से हमें काफी तकलीफ हुई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने बदसलूकी करते हुए मेरे पति से 700 रुपये ले लिए।

मोबाइल भी ले लिया

महिला के पति ने बताया कि ट्रैफिक पुलिसवालों ने जबरन मेरे पास से 760 रुपये छीन लिए। इसके साथ ही जब मैंने अपने भाई को फोन करने की कोशिश की तो उन्होंने मेरा मोबाइल भी छिन लिया और बदसलूकी की।

हमें काफी परेशानी हुई

महिला ने कहा कि इस दौरान हमें काफी परेशानी हुई हमारे साथ एक छोटा बच्चा भी था। महिला ने इस मामले की शिकायत पुलिस में की है। महिला ने इस मामले में पुलिस से न्याय की मांग की है। पीड़ित परिवार ने इस मामले की शिकायत डीसीपी ट्रैफिक और पुलिस आयुक्त से मामले का आवेदन दिया है।

एमपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी आशुतोष शर्मा

मालवा स्टेलियंस ने 15 लाख रुपए में खरीदा

इंदौर (नप्र)। एमपीएल के लिए इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 244 खिलाड़ियों के लिए बोली लगाई जा रही है। आशुतोष शर्मा मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मालवा स्टेलियंस ने 15 लाख रुपए में खरीदा है। दूसरे नंबर पर अक्षत रघुवंशी हैं, जिन्हें रीवा जगुआर ने 13.80 लाख रुपए देकर लिया है। तीसरी सबसे बड़ी बोली अनिकेत वर्मा को मिली। अनिकेत को भोपाल लेपर्ड्स ने 13 लाख 20 हजार रुपए में खरीदा। शिवांग कुमार को बुंदेलखंड बुल्स ने 13 लाख कीमत देकर अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं, आवेश खान को चंबल घड़ियाल ने 8.20 लाख जबकि शिवम शुक्ला को इंदौर पिंक पैंथर ने 6.60 लाख में खरीदा है।

हर फ्रेंचाइजी को 50 लाख रुपए का पर्स- इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में चल रही नीलामी में 244 खिलाड़ियों के लिए बोली लगाई जा रही है। हर फ्रेंचाइजी को खिलाड़ियों की खरीद के लिए 50 लाख रुपए का पर्स दिया गया है। एमपीएल जून 2026 में इंदौर और ग्वालियर में खेला जाएगा।

गुना में पिता रोज इंसुलिन लगाने जाते थे, प्रिंसिपल बोले-वे लंच टाइम बढ़ाने को कह रहे थे

डायबिटिक बच्ची को बहन समेत स्कूल से निकाला

गुना (नप्र)। गुना के दलवी कॉलोनी स्थित अल्फा स्कूल पर शिक्षा के अधिकार और मानवीय संवेदनाओं की अनदेखी के गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि स्कूल ने साजिश के तहत टॉपर छात्राओं को बाहर कर दिया। पीड़ित बच्चियां सगी बहन हैं। दोनों को लेकर माता-पिता सिटी कोतवाली पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। भगत सिंह कॉलोनी निवासी दिलीप थापर ने बताया कि उनकी 6 वर्षीय बेटी आराध्या (काल्पनिक नाम) टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित है। उसे दिन में कई बार इंसुलिन और शुगर जांच की जरूरत होती है। छोटी होने के कारण पिता रोज स्कूल जाकर उसे इंसुलिन देते थे और खाना खिलाते थे।

शुरुआत में प्रबंध ने सहयोग का भरोसा दिया था- परिजन के मुताबिक, दाखिले के समय संचालक जॉय वर्गीस ने सहयोग का आश्वासन दिया, लेकिन कुछ महीनों बाद प्रबंधन ने प्रक्रिया में बाधा डालनी शुरू कर दी और परिवार को परेशान किया।

टीसी देकर आर्थिक स्थिति का मजाक उड़ाया

दिलीप थापर ने बताया कि वह फूड डिलीवरी का काम करते हैं। स्कूल की फीस समय पर देते हैं। ऐसे में टीसी देकर स्कूल ने उनकी आर्थिक स्थिति का मजाक उड़ाया, जिससे बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ।

स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

दिलीप के मुताबिक, बच्ची को स्कूल में लंच से पहले इंसुलिन और 2-3 बार शुगर जांच करनी पड़ती थी। मेडिकल सुविधा न होने से उसे स्टोर रूम में इंसुलिन लगाना पड़ता था। पूरे मामले में परिजन ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आरोप- स्कूल ने रिजल्ट के दिन ही थमा दी टीसी

पिता का आरोप है कि उन्होंने पहले कलेक्टर और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी। प्रशासन के दखल के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन प्रबंधन ने सुधार की बजाय बदले की भावना से काम किया। वार्षिक परीक्षा के बाद रिजल्ट के दिन उनकी बेटियों 14 साल की आरती (काल्पनिक नाम) और 6 साल की आराध्या (काल्पनिक नाम) का नाम काटकर टीसी दे दी गई।

प्रबंधन बोला-एक ही टीचर से पढ़ाने की मांग कर रहे थे

प्रिंसिपल जॉय वर्गीस ने कहा कि पिता लंच टाइम बढ़ाने और सभी विषय एक ही शिक्षक से पढ़ाने की मांग कर रहे थे। उन्हें नोटिस देकर कहा गया था कि असुविधा होने पर वे बच्चों का एडमिशन कहीं और करा सकते हैं और टीसी ले सकते हैं।

प्रिंसिपल बोले- लंच टाइम बढ़ाने की डिमांड कर रहे थे

वहीं स्कूल के प्रिंसिपल जॉय वर्गीस का कहना है कि बच्ची के पिता लंच टाइम बढ़ाने और सभी विषय एक ही टीचर से पढ़ाने की मांग कर रहे थे। उन्हें नोटिस देकर कहा गया था कि अगर उन्हें असुविधा है तो वे बच्चों का एडमिशन कहीं और करा सकते हैं और टीसी ले सकते हैं।

डॉक्टर ने कहा- इंसुलिन की मात्रा जरूरत पर निर्भर

जिला अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुनील दांगी के अनुसार, इंसुलिन की मात्रा मरीज के शुगर लेवल पर निर्भर करती है। शुगर कंट्रोल में हो तो रोज इंसुलिन जरूरी नहीं, लेकिन अनियंत्रित होने पर दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

युवा संसद में गंभीर मुद्दों पर सार्थक बहस

भोपाल। शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा युवा संसद का आयोजन किया गया। पं. कुंजीलाल संसदीय विद्यापीठ के तत्वावधान में आयोजित इस युवा संसद प्रतियोगिता में पिछले वर्ष की विजेता शासकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने इस वर्ष भी रोचक एवं प्रभावी संसद का मंचन किया। इस युवा संसद में देश के गंभीर एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष में गंभीर बहस हुई। कार्यक्रम में विधेयक पास किया गया, नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण हुआ, विपक्ष द्वारा वॉक आउट किया गया तथा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपति के अभिभाषण से हुई। इसके उपरांत 13 महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। ये इस प्रकार हैं-

1. आंतरिक सुरक्षा के मामले जिनमे साइबर आतंकवाद एवं वाइट कालर आतंकवाद पर सत्ता पक्ष से सवाल।
2. भारतीय व्यापर समझौते (अमेरिकन टैरिफ), व्यापार निति (ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा) एवं भारतीय सम्प्रभुता में समझौते पर प्रश्न।
3. रोज़गार (2 करोड़ नौकरियों का क्या हुआ) एवं मेक इन इंडिया के क्या निष्कर्ष रहे।
4. इजराइल की भारत के साथ दोहरी निति क्यों है ।
5. 5 ट्रिलियन इकॉनमी व विकसित भारत 2047 के सपने वर्तमान (बेरोज़गारी, टैक्स, मेहगाई, जीएसटी) की स्थिति पर सर्कार चुप क्यों है।
6. घटते वाटर लेवल के कारण के साथ एवं डिजिटल कृषि का धरातल पर क्या असर है।
7. भारत में 65% रक्षा उपकरण (हथियार, प्लेन) विदेशी आयातित है, भारत आत्मनिर्भर क्यूँ नहीं ?
8. प्रतियोगी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक पर सर्कार की असफलता व सिस्टम फ़ैल?
9. दिल्ली वायु प्रदुषण एवं अरावली अवैध खनन पर सर्कार का क्या एक्शन है ? 10. देश में महिला अपराध (4% वृद्धि) साथ ही पोस्को के बढ़ते मामलो पर प्रश्न।
11. विमान हादसे (53 दुर्घटना और 320 मौते) एवं भारतीय एयरलाइन्स में सुरक्षा मामलों पर प्रश्न ?
12. कश्मीर आतंकवाद (पहलगाम 22 अप्रैल 2025) रोकने में सर्कार की असफलता, शांति व सुरक्षा केवल कागज़ में है ?
13. इंदौर में दूषित जल से 32 लोगों की मृत्यु (जबकि इंदौर 8 वर्षो से सबसे स्वच्छ शहर है), बुनयादी आवश्यकताएं भी पूरी नहीं ।

ध्यान आकर्षण प्रस्तावः शक्ति बिल 2026 में परमाणु स्वामित्व को निजी कंपनियों को देने पर सुरक्षा व दुर्घटना सम्बन्धि मुद्दे पर ध्यान आकर्षण प्रस्ताव विपक्ष द्वारा लाया गया तथा पहलगाम मुद्दे पर विपक्ष द्वारा सदन का वाकआउट किया गया। प्रतियोगिता में संसदीय विद्यापीठ की तरफ से श्री के. एल. दलवानी व पुनीत श्रीवास्तव (दोनों पूर्व अपर सचिव मप्र विधानसभा), रविनीश तिवारी (अवर सचिव संसदीय कार्य विभाग) निर्णायक मंडली के सदस्यों के तौर पर सम्मिलित हुए ।

प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र बिहारी गोस्वामी ने बताया कि पक्ष और विपक्ष का तर्क और वितर्क भारतीय लोकतंत्र का आधार है। युवा सांसद के मंचन जैसे कार्यक्रम भारतीय लोकतंत्र को संपन्न एवं सुदृढ़ बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। निर्णायक मंडल के सदस्य के. एल. दलवानी ने छात्राओ की प्रभावी प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञानं एवं लोक प्रशासन विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्राध्यापक डॉ. अमर नायक ने आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

नक्सलियों का सफाया!

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को संसद में जिस दमदार तरीके से देश में नक्सलवाद की समाप्ति का ऐलान किया, उसके लिए केन्द्र व राज्य सरकार, सभी सुरक्षा बल, आत्मसमर्पित नक्सलवादी, सरकार की सुस्पष्ट रणनीति और समुचित पुनर्वास नीति बधाई की पात्र है। बेशक नक्सलियों के खात्मे में कुछ ज्यादतियां भी हुई होंगी, लेकिन व्यापक संदर्भ में यह स्वागतेय इसलिए है, क्योंकि हिंसा से कोई समस्या कभी हल नहीं हुई। यहां तक कि जिन देशों में बीसवीं सदी में रक्त क्रांतियां हुईं, उन्हें भी या तो अपना रास्ता बदलना पड़ा या फिर इतने बदलाव करने पड़े कि वो क्रांति महज इतिहास की बात बनकर रह गई। लोकसभा में अपने डेढ़ घंटे के भाषण में अमित शाह ने कहा कि हमने 31 मार्च तक देश को नक्सल-मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था। इसे लगभग हासिल किया जा चुका है। उन्होंने चेतावनी के स्वर में कहा कि अब अगर कोई पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठाएगा तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। शाह ने कहा कि सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया। अपने संबोधन में शाह ने नक्सलवाद को बढ़ावा देने के लिए विपक्षी कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया। शाह ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी के कार्यकाल में नक्सलवाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन 12 राज्यों, 17 प्रतिशत भू-भाग 10 प्रतिशत से ज्यादा आबादी में फैल गया। राहुल गांधी ने नक्सल समर्थकों के साथ मंच साझा किया था और 'प्रो-हिडमा' नारे का समर्थन किया था। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हैं। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। नक्सलवाद की जड़ें वैचारिक हैं। यह गरीबी और विकास से जुड़ी नहीं हैं। शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो चुका है। शाह ने उन अर्बन नक्सलियों से भी सवाल किया कि वे कहते हैं कि नक्सली सामाजिक न्याय के लिए लड़ रहे हैं। ऐसा लगता है कि आपकी मानवता सिर्फ संविधान का उल्लंघन करने वालों और हथियार उठाने वालों के लिए हैं। यह उन आम नागरिकों तक नहीं पहुंचती, जो इन्हीं हथियारों से मारे जा रहे हैं। शाह ने पिछले दो साल में देश में 706 नक्सली मारे गए, 2218 गिरफ्तार और 4839 ने सरेंडर किया। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलियों की तुलना भगत सिंह और बिरसा मुंडा से नहीं कर सकते। नक्सलियों को लोकतंत्र पर कोई भरोसा नहीं है। अपने भाषण में अमित शाह ने नक्सलवाद पर आखिरी चोट करने को लेकर सरकार की रणनीति और संकल्प का खुलासा भी किया। नई रणनीति के तहत केन्द्र और राज्य सरकारों की सशस्त्र पुलिस तथा सरेंडर नक्सलियों को साथ लेकर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। नक्सलियों के गुप्त ठिकानों को ध्वस्त किया गया। उनके आर्थिक स्रोतों पर भी शिंकजा कस दिया गया। सरकार ने साफ कह दिया कि या तो नक्सली सरेंडर करें या फिर मरने के लिए तैयार रहें। इस काम में सुरक्षा बलों को उन लोगों का साथ भी मिला, जो ग्रामीण आदिवासी नक्सलियों के अत्याचार और दहशत से परेशान थे। हकीकत में वो नक्सली और सुरक्षा बलों के दबाव के बीच पिस रहे थे। अब नक्सलियों के आतंक से मुक्ति मिलने के बाद वो खुली हवा में सांस लेने लगे हैं। बेशक सरकार ने सशस्त्र नक्सलियों का सफाया कर दिया है, लेकिन अर्बन नक्सलियों पर शिंकजा कसना भी जरूरी है। निःसंदेह नक्सलवाद एक विचारधारा है और विचार कभी नहीं मरता, लेकिन उसकी धार और असर को कुंद तो किया ही जा सकता है। अगला लक्ष्य यही होना चाहिए।

पश्चिम एशिया की उथल-पुथल में भारत की संतुलित कूटनीति

नजरिया

अंशुमान

लेखक संसद टीवी से सम्बद्ध पत्रकार हैं।

फरवरी 2026 मे शुरू हुए संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच टकराव के अचानक उभरने से, जिसकी शुरुआत अमेरिका- इजरायल द्वारा ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमलों से हुई और जिसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे पर मिसाइल हमले किए। इस पूरे घटनाक्रम ने पूरे पश्चिम एशिया को एक नए अस्थिर दौर में धकेल दिया है। तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाला जहाजी व्यापार बार-बार बाधित हो रहा है, और एक बार फिर यह क्षेत्र दुनिया को यह याद दिला रहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोरने की इसकी क्षमता कितनी गहरी है।

इन सभी तनावों के बीच इस क्षेत्र में भारत के हित बहुत बड़े हैं। सबसे अहम है तेल और ऊर्जा पर उसकी निर्भरता, उसके बाद खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला पैसा, और फिर लगातार बढ़ते कूटनीतिक रिश्ते। ऐसे हालात में भारत की विदेश नीति की मजबूती और उसका संतुलन यह दोनों ही भारत की कठिन परीक्षा जैसे है। ध्यान देने वाली बात यह है कि पिछले कई दशकों से भारत एक ऐसी नीति पर चल रहा है, जिसे आसान भाषा में कहें तो संतुलन बनाकर सबके साथ रिश्ते रखना कहा जा सकता है। यानी भारत ने खुद को किसी एक गुट या देश तक सीमित नहीं किया, बल्कि एक साथ ईरान, खाड़ी देशों, इजरायल और अमेरिका सभी से अच्छे संबंध बनाए रखे हैं। जियोपॉलिटिक्स में अक्सर कहा जाता है कि ऐसा संतुलन बनाए रखना मुश्किल होता है, लेकिन जब संकट आता है तो यही नीति सबसे ज्यादा काम आती है। अभी के टकराव में भी भारत ने बहुत सोच-समझकर कदम उठाए हैं जैसे भारत ने सबसे शांति बनाए रखने की अपील की, अपने आर्थिक हितों का ध्यान रखा और सभी पक्षों से बातचीत जारी रखी। इस तरह भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और लंबे समय के हितों दोनों को सुरक्षित रखने की कोशिश की है।

ईरान-अमेरिका टकराव से पैदा हुए इस संकट का सबसे पहला और सीधा असर आर्थिक मोर्चे पर दिखाई देता है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का करीब 88 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी तरह की रुकावट का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल गुजरता है। जब इस रास्ते से तेल ले जाने वाले टैंकरों की आवाजाही कम होती है या खतरे में पड़ती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं। इसका सीधा असर भारत के आयात बिल पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ने, रुपये पर दबाव आने और आम लोगों की जेब पर असर पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। पेट्रोल-डीजल के दाम से लेकर रोजमर्रा की चीजों तक, हर स्तर पर इसका असर महसूस किया जा सकता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने इस तरह के संकट से निपटने के लिए तैयारी की है। ऊर्जा स्रोतों को अलग-अलग देशों में फैलाने यानी डायवर्सिफिकेशन और रणनीतिक तेल भंडार बनाने पर खास जोर दिया गया है। यही वजह है कि मौजूदा संकट के बावजूद भारत पूरी तरह से असहज स्थिति में नहीं है। देश के पास लगभग दो महीने की जरूरत के बराबर पेट्रोलियम भंडार मौजूद है, जो आपात स्थिति में काम आता है। इसके अलावा, भारत ने रूस, अमेरिका और अन्य देशों से भी तेल की आपूर्ति बढ़ाकर अपने विकल्प खुले रखे हैं। इस रणनीति की वजह से अचानक पैदा हुए इस असंतुलन को काफी हद तक संभालने में मदद मिली है और तत्काल आपात जैसी स्थिति से बचा हुआ है।

इस पूरे घटनाक्रम से एक बात बिल्कुल साफ हो जाती है कि आज के दौर में ऊर्जा सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी और प्राथमिक आवश्यकता बन चुकी है। खासकर भारत जैसे देश के लिए, जिसकी आर्थिक विकास की रफ्तार काफी हद तक बाहर से आने वाले तेल और ईंधन पर निर्भर करती है, ऐसे संकट भविष्य में भी चुनौती बने रहेंगे। इसलिए लंबे समय की ठोस योजना, अलग-अलग देशों से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना और पर्याप्त तेल भंडार तैयार रखना ही उपाय है और इन्हीं उपायों के सहारे ऐसी आपात स्थितियों का असर कम किया जा सकता है और अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा जा सकता है।

भारत और ईरान के बीच आर्थिक संबंध इस मुश्किल समय में भी समझदारी और व्यावहारिक तरीके से बनाए रखे गए हैं। भले ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते रुपये के बदले तेल का पुराना व्यापार बंद हो गया हो, लेकिन भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता निकालते हुए ह्यूमैनेटेरियन विंडो के तहत रियायती दरों पर ईरान से एलपीजी की आपूर्ति जारी रखी। करीब 5 लाख टन एलपीजी की यह आपूर्ति भारत के लिए बेहद अहम साबित हुई, क्योंकि इससे अचानक उपजे संकट को टालने में मदद मिली। इस तरह की रणनीति ने भारत को बिना किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय दबाव में आए हुए अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा यानी लगभग 5 प्रतिशत ईरान से बनाए रखने में मदद दी। भारत की इस रणनीति से दिखता है कि कठिन हालात में भी अगर नीति व्यावहारिक हो, तो जरूरी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

यही नहीं वैश्विक तनावों के बीच भारत ने अपने दूसरे विकल्पों को भी लगातार मजबूत किया है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य ऊर्जा क्षेत्रों में करीब 10 अरब डॉलर का निवेश इस दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे न सिर्फ ऊर्जा के नए स्रोत और रास्ते खुल रहे हैं, बल्कि भारत एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदार के रूप में भी उभर रहा है। साफ है कि इससे आने वाले समय में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और ज्यादा मजबूत होगी। इस संकट का एक और बेहद महत्वपूर्ण पहलू खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और उनके हितों से जुड़ा है। पश्चिम एशिया में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं, और उनके द्वारा भेजा गया पैसा यानी रेमिटेंस भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है। ऐसे में क्षेत्रीय संघर्ष का कोई भी असर वह चाहे हवाई सेवाओं में बाधा हो या फिर आर्थिक गतिविधियों में कमी हो या बुनियादी ढांचे पर खतरा सीधे इन भारतीय प्रवासियों के जीवन पर पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, जैसे ही हालात बिगड़ने लगे, भारत के विदेश मंत्रालय ने तेजी से कदम उठाए। संभावित प्रभावित क्षेत्रों से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की योजनाएं तैयार की गईं और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था की गई। यह दिखाता है कि भारत के लिए यह मुद्दा सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। भारत-ईरान संबंध इस पूरे परिदृश्य में एक संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। पश्चिमी प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, भारत ने हमेशा ईरान को ऊर्जा सुरक्षा और मध्य एशिया तक पहुंच के लिहाज से एक अहम साझेदार माना है। चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाएं इसी दीर्घकालिक सोच का हिस्सा हैं। मौजूदा संकट के बावजूद भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ईरान के साथ सहयोग पूरी तरह प्रभावित न हो। दूसरी ओर, भारत संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के साथ अपने आर्थिक और निवेश संबंधों को भी तेजी से मजबूत कर रहा है। इन समानांतर रिश्तों को संतुलित रखना आसान नहीं है, लेकिन यही संतुलन भारत को कूटनीतिक लचीलापन और विकल्प देता है। रणनीतिक दृष्टि से यह संकट क्षेत्रीय संपर्क (connectivity) परियोजनाओं के महत्व को भी रेखांकित करता है। चाबहार बंदरगाह, जो अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) से जुड़ा है, भारत के लिए मध्य एशिया और उससे आगे के बाजारों तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके साथ ही खाड़ी देशों और इजरायल के साथ उभरती आर्थिक और सुरक्षा साझेदारियां भारत की बदलती क्षेत्रीय भूमिका को भी दर्शाती हैं। इन सबके बीच में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन सभी पहलुओं को कैसे एक-दूसरे के पूरक के रूप में विकसित किया जाए, न कि प्रतिस्पर्धी ध्रुवों के रूप में।

कूटनीतिक स्तर पर भारत ने सावधानीपूर्ण तटस्थता का रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने लगातार संयम, संवाद और तनाव कम करने की अपील की है। वैश्विक स्तर पर यह रुख भारत को सभी पक्षों के साथ ना सिर्फ जोड़े रखता बल्कि उसे किसी एक पक्ष के समर्थक के रूप में देखे जाने से बचाता है। वर्तमान समय में जब जहां प्रतिस्पर्धा और अविश्वास गहरे हो रहे हैं तब यह संतुलित नीति भारत की विश्वसनीयता को बढ़ाती है। दूरगामी और बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत की पश्चिम एशिया नीति अब परिपक्व होती दिखाई दे रही है। यह क्षेत्र अब केवल ऊर्जा आपूर्ति का स्रोत नहीं रहा, बल्कि एक जटिल रणनीतिक मंच बन चुका है, जहां आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा हित आपस में गहराई से जुड़े हैं। मौजूदा हालात या संकट से साफ तौर पर देखा जा सकता है कि अलग-अलग देशों के साथ रिश्ते बनाकर और परिस्थितियों के हिसाब से अपनी कूटनीति को बदलकर चलना ही सबसे बेहतर तरीका है।

आखिर में, अमेरिका-ईरान का टकराव फिर से यह दिखाता है कि पश्चिम एशिया की अस्थिरता दुनिया पर असर डालती रहेगी। भारत के लिए असली चुनौती इससे पूरी तरह बचना नहीं है, क्योंकि हकीकत में यह संभव नहीं है बल्कि इसे समझदारी, संतुलन और साफ रणनीति के साथ संभालना ही समझदारी है। भारत की अब तक की प्रतिक्रिया यह दिखाती है कि भारत समझता है कि आज की दुनिया में प्रभाव केवल किसी का पक्ष चुनने से नहीं, बल्कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखने की रणनीति से आता है। जियोपॉलिटिक्ल दृष्टिकोण में भारत का यह संतुलित रवैय किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि एक उभरती हुई शक्ति की रणनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। चुनौतियां निश्चित रूप से मौजूद हैं, लेकिन भारत जैसे तेज से उभरते राष्ट्र के लिए संतुलन केवल अस्तित्व की रणनीति नहीं बल्कि प्रभाव और नेतृत्व की असली पहचान बन चुका है।

डिजिटल युग में जनगणना : बदलाव की बुनियाद

मुद्दा

ममता कुशवाहा

लेखक शिक्षक हैं।

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को समझने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना, जो विभिन्न कारणों से विलंबित रही, अब एक नए स्वरूप में आरंभ होने जा रही है। यह जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, बल्कि इसलिए भी कि इसमें पहली बार जातीय आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाएगा। यह पहल भारत के प्रशासनिक ढांचे, नीति-निर्माण और सामाजिक समझ को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और सटीकता में निहित है। पारंपरिक कागज-आधारित प्रणाली में जहां आंकड़ों के संग्रह, संकलन और विश्लेषण में वर्षों लग जाते थे, वहीं डिजिटल माध्यम इस पूरी प्रक्रिया को कहीं अधिक त्वरित और त्रुटिहीन बना सकता है। मोबाइल एप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से डेटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा, जिससे मानवीय भूलों की संभावना न्यूनतम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली पारदर्शिता को भी बढ़ाएगी और डेटा के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करेगी।

इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। यह न केवल नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रशासनिक बोझ को भी कम करेगा। हालांकि, इसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। लोगों को अपनी जानकारी पूरी ईमानदारी और सावधानी से भरनी होगी, क्योंकि यह डेटा न केवल वर्तमान नीतियों के निर्माण में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी बनेगा। जनगणना आयुक्त द्वारा दी गई गोपनीयता की गारंटी इस प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करती है, जिससे लोग बिना किसी भय के अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे।

जनगणना को दो चरणों में पूरा करने का निर्णय भी एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले चरण में घरों की सूचीकरण और आवास से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलुओं का विवरण लिया जाएगा। यह विभाजन न केवल प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाएगा, बल्कि डेटा के विश्लेषण को भी अधिक सटीक और उपयोगी बनाएगा। इससे सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास।

इस जनगणना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू जातीय आंकड़ों का संकलन है। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा जब जातियों का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इससे देश की सामाजिक संरचना की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, जो अब तक केवल अनुमान और अधूरी जानकारी पर आधारित रही है। वर्ष 1931 के बाद से जातिगत जनगणना नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान में विभिन्न जातीय समूहों के संख्याबल और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में स्पष्ट और प्रमाणिक आंकड़ों का अभाव है। ऐसे में यह जनगणना कई मिथकों और धारणाओं को तोड़ने का कार्य कर सकती है।

हालांकि, जातीय जनगणना के साथ कुछ चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी आशंका यह है कि इन आंकड़ों का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत में पहले से ही जाति आधारित राजनीति का प्रभाव देखा गया है, और यदि इन आंकड़ों का दुरुपयोग हुआ, तो यह सामाजिक विभाजन को और गहरा कर सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार इन आंकड़ों की व्याख्या कर सकते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार इस दिशा में ठोस नीतिगत उपाय करे, ताकि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग केवल विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाए।

जनगणना का मूल उद्देश्य देश की जनसंख्या की संरचना, उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझना है, ताकि प्रभावी नीतियां बनाई जा सकें। यह किसी भी प्रकार के संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन नहीं होना चाहिए। यदि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उदाहरण के लिए, शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े वर्गों की पहचान कर उन्हें विशेष सहायता प्रदान की जा सकती है, स्वास्थ्य सेवाओं को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया जा सकता है और रोजगार के अवसरों को बेहतर तरीके से वितरित किया जा सकता है। डिजिटल जनगणना के माध्यम से डेटा की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ नीति-निर्माण में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। यह सरकार को वास्तविक समय में निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा और योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करने में भी सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, यह निजी क्षेत्र और शोधकर्ताओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है, जो इन आंकड़ों के आधार पर सामाजिक और आर्थिक अध्ययन कर सकेंगे।

डिजिटल जनगणना भारत के प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे में एक क्रांतिकारी परिवर्तन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की वास्तविक स्थिति को समझने और उसे सुधारने का एक सशक्त माध्यम है। हालांकि, इसके साथ जुड़ी चुनौतियों और संभावित जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेष रूप से जातीय आंकड़ों के संदर्भ में सावधानी और संवेदनशीलता की आवश्यकता है, ताकि यह पहल समाज को जोड़ने का कार्य करे, न कि विभाजन का। इस दिशा में सरकार, प्रशासन और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे इस प्रक्रिया को सफल बनाएं और इसके उद्देश्यों को सही दिशा में ले जाएं। यदि ऐसा होता है, तो यह जनगणना न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगी।

नए युवा और बदलती कैरियर संभावनाएँ

सामयिक

संध्या राजपुरोहित

लेखक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

आज का समय अवसरों, संभावनाओं और प्रतिस्पर्धा का समय है। बदलती तकनीक, वैश्वीकरण और नई आर्थिक संरचनाओं ने करियर के पारंपरिक ढांचे को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। एक समय था जब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी को ही सफलता का पर्याय माना जाता था, लेकिन आज डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मीडिया, डिजाइन, खेल, उद्यमिता और अनेक कौशल आधारित क्षेत्रों में भी उज्ज्वल भविष्य के द्वार खुले हैं। यह विविधता जहां एक ओर युवाओं को नए अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर उनके सामने सही चुनाव की चुनौती भी खड़ी करती है।

भारत का वर्तमान जनसांख्यिकीय परिदृश्य इस चर्चा को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और हर वर्ष लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल में प्रवेश करते हैं। यह स्थिति भारत को एक बड़ी संभावित शक्ति प्रदान करती है, जिसे 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' कहा जाता है। किन्तु यदि इस युवा शक्ति को उचित दिशा, कौशल और अवसर नहीं मिले, तो यही संभावना एक चुनौती में परिवर्तित हो सकती है।

यही वह बिंदु है जहां कैरियर चयन और कौशल विकास के बीच का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न रिपोर्ट्स यह संकेत करती हैं कि देश में रोजगार की समस्या से अधिक 'रोजगार योग्य कौशल' की कमी एक बड़ी चुनौती है। आज भी लगभग आधे युवा ऐसे हैं जो उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप पूरी तरह तैयार नहीं हैं। कई अध्ययन बताते हैं कि केवल लगभग 50 प्रतिशत ग्रेजुएट ही वास्तव में जॉब-रेडी माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं से वंचित रह जाते हैं।

यह स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई को भी उजागर करती है। देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, फिर भी बेरोजगारी के आंकड़ों में बड़ी हिस्सेदारी शिक्षित युवाओं की ही दिखाई देती है। लगभग 65 से 67 प्रतिशत बेरोजगार युवाओं का ग्रेजुएट होना इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि केवल डिग्री हासिल करना सफलता की गारंटी नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली अभी भी अधिकतर सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित है, जबकि उद्योग और समाज को व्यवहारिक कौशल, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता रखने वाले युवाओं की आवश्यकता है।

कौशल अंतर या 'स्किल गैप' भी इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। देश में औपचारिक रूप से प्रशिक्षित युवाओं का प्रतिशत अभी भी बहुत कम है, जो लगभग 4 से 5 प्रतिशत के आसपास माना जाता है। वहीं, नई तकनीकी क्षेत्रों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीक में कुशल युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उस अनुपात में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध नहीं है। यह अंतर युवाओं के लिए अवसर भी है और चुनौती भी, क्योंकि जो इस दिशा में स्वयं को तैयार करेगा, वही भविष्य में आगे बढ़ेगा।

इसके साथ ही रोजगार की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभर रही है। बड़ी संख्या में युवा अपनी योग्यता से कम स्तर के कार्य करने के लिए मजबूर हैं, जिससे उनमें असंतोष और अस्थिरता की भावना बढ़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी प्रभाव डालती है।

सही निर्णय के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी अपने भीतर झांकें, अपनी रुचियों और क्षमताओं को समझें और विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में ठोस जानकारी प्राप्त करें। आज सूचना के अनेक स्रोत उपलब्ध हैं, लेकिन सही और प्रामाणिक जानकारी का चयन करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही शिक्षकों, अभिभावकों और कैरियर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना निर्णय को अधिक सुदृढ़ बनाता है।

इस प्रक्रिया में परिवार और विद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अपने सपनों का बोझ न डालें, बल्कि उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। वहीं शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक बनकर उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार करते हैं। एक सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

आज का समय निरंतर सीखने का समय है। कैरियर अब एक स्थिर विकल्प नहीं, बल्कि एक गतिशील यात्रा बन चुका है, जिसमें समय-समय पर नए कौशल सीखना, स्वयं को अपडेट करना और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलना आवश्यक है। यही लचीलापन और सीखने की प्रवृत्ति व्यक्ति को दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जाती है। अंततः यह स्पष्ट है कि कैरियर का सही चुनाव केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाली प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है जब उसमें आत्मविश्वास, सही जानकारी, कौशल विकास और स्पष्ट लक्ष्य का समन्वय हो। आज के विद्यार्थी यदि इन आधारों को समझकर अपने कैरियर की दिशा तय करते हैं, तो वे न केवल अपने लिए एक सफल भविष्य का निर्माण करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

याद रखना होगा कि कैरियर का चुनाव भीड़ का अनुसरण नहीं, बल्कि अपनी पहचान को समझते हुए अपनी राह बनाने की प्रक्रिया है। सही कैरियर वही है, जहां रुचि, क्षमता और लक्ष्य एक साथ मिलकर जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मूर्खता का शिखर छूने का मौसम

मूर्ख दिवस विशेष

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अंततः मूर्ख की ही विजय होती है बुद्धिमान कितने भी बुद्धि के घोड़े दौड़ा ले, समझदार कितनी भी टंगड़ी अड़ा ले, मूर्ख और उसकी मूर्खता को मात देना इतना आसान काम नहीं है।

यह किसी से छुपा नहीं है की मनुष्य जाति ने मूर्खता के क्षेत्र में जो उत्तरोत्तर प्रगति की है, वह संतोष जनक भले ही हो, लेकिन पर्याप्त भी नहीं है। इसलिए उठो, चलो और बढ़ो जब तक की मूर्खता के शिखर पर नहीं पहुंच जाओ, तब तक रुको मत। मूर्खता की इस दौड़ में हमारे पास खोने को कुछ नहीं है, सिवाय मूर्खता के। पाने के लिए मूर्खों का संसार आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

बड़े-बूढ़े सदा कहते आए हैं.. 'जो सुख चाहे जीव का, तो मूर्ख दिख कर रहे'। यदि मूर्ख दिखने में सफल हो गए तो आपको बॉस भी दो काम कम ही देगा। वह आपके हिस्से का काम कर्मनिष्ठ समझदारों के खाते में लिख देगा। कर्मनिष्ठ मूर्ख बनना नहीं चाहते इसीलिए तो दुःख पाते हैं। नीची गरदन कर काम पर काम रगड़े जाते हैं। जो मूर्ख दिखने में कामयाब हो जाते हैं उनको कर्मनिष्ठ बने रहने की आवश्यकता ही कहाँ रह जाती है? कौन जोखिम मोल ले काम सौंपकर?

हालाकि मूर्ख हर युग में रहे हैं। इस कलयुग में तो मूर्खों की फज़ल है, उनका हर विचार सफल है और उनके हर काम में बरकत है। अब ज्ञानी से ज्ञानी उतने नहीं मिल रहे हैं कि ज्ञान की बातें करें। ज्ञानी तो बस टुकुर-टुकुर देख रहे हैं– यू.एन.ओ. की तरह। ज्ञानियों में एक तरह की अकड़ होती है, जो उनको जकड़ लेती है। कभी-कभी कलम भी चला लेते हैं पर बात कुछ बनती नहीं। अब तो मूर्ख से मूर्ख खूब मिलते हैं और सहज-सरल भाव से मिलते हैं। मिलने के बाद क्या होता है यह किसी से छुपा हुआ नहीं है।

'दे घूँसा दे लात' तो पुरानी बातें हो गई जी। वह तो कबीलों और आदिम झुंडों की लड़ाई थी, जो जर और जोरु के लिए सरदार आपस में लड़ते थे। अब मूर्ख अपडेट हो गए हैं। सरदार राष्ट्राध्यक्षों में बदल गए हैं। विकास की दौड़ में लाठियां और पत्थरों का स्थान मिसाइलों ने ले लिया है। अब किसी की निगाह तेल और गैस पर है, तो किसी की नजर खनिज धातुओं पर है। किसी की दृष्टि मिलने वाली सहायता को जामा पहनाकर महाभीख पाने की है, तो किसी की नीयत किसी की जमीन हथियाने की है। हर कोई मूर्खता के शिखर पर पहुँचने को उतावला और बावला बना हुआ है।

इन सबसे यही सिद्ध होता है कि मूर्खता के बल पर ही मानव, मानव का और राष्ट्र, राष्ट्र का पूरक बनकर अंधे-लंगड़े की कहानी जैसा सहकार दिखाने के स्थान पर अपने अहंकार को सुपर सोनिक गति से ऊंचाई पर ले जाने को आतुर है, यानी ऐसे महामानवों को यदि हम नोबेल जैसे पुरस्कारों से भले ही नहीं नवाज नहीं पाए हों, पर कम से कम मूर्खाधिपति का खिताब तो दे ही सकते हैं। हालाकि मूर्खों की सबसे बड़ी पहचान यही है कि वह कभी नहीं मान सकता कि वह महा मूर्ख है। यह नहीं मानना उनको दूसरों से विशिष्ट बनाता है।

मूर्खों को हम तीन तरह की श्रेणियां में विभाजित कर सकते हैं पहले जो दिखते हैं पर होते नहीं। दूसरे होते हैं पर दिखते नहीं। तीसरे होते भी हैं और दिखते भी हैं। यही विशुद्ध मूर्ख होते हैं। इनमें कुछ नए-नवेले तो कोई कामचलाऊ और कोई घाघ मूर्ख भी निकल आता है।

आज समझदार पर्यावरणविद् चेता रहे हैं, कि सब्जियों, फलों और अनाजों मे कीटनाशकों का प्रयोग करने वालों को मालामाल कर विजय मूर्खता को मत दिलाओ। वेक्सीन लगा-लगाकर सब्जियों और फलों को मत फुलाओ। वेक्सीन से दूध सोखकर श्वेतक्रांति की सुनामी मत लाओ। सांस लेने के लिए विशुद्ध हवा भले ही ना हो पर सड़क पर तेलचलित वाहनों की नदी बह रही है। जल प्रदूषण की उतनी चिंता नहीं।

केवल समझदारी के भरोसे यह सब संभव नहीं है। अंततः मूर्खता की ही विजय हो रही है। मूर्खमेव जयते का स्वर चारों दिशाओं से उद्घोषित हो रहा है।

मौसम तक हमें मूर्ख बना जाता है गर्मी में ठंड, ठंड में गर्मी का एहसास कराता रहता है। बरसात तो बारह महीनें, जब चाहे तब विक्षोभ और अलनीनों उठ-उठकर हमें अप्रैल फूल बना जाते है। अप्रेल फूल कोई वर्ष में एक बार मनाई जाने वाली औपचारिकता नहीं हे। इसके लिए एक दिवस कम है इस पूरा अप्रेल निर्धारित होना चाहिए। अति मूर्खाकांक्षी लोग चाहें तो इसे अपने पूरे जीवन का अंग बना सकते हैं। ग्यारह माह की प्रतीक्षा के बाद मूर्ख दिवस फिर आएगा। आशा है तक तक हम मूर्खता के और भी ऊँचे कीर्तिमान स्थापित करेंगे आखिर यह अप्रेल फूल बनना एक लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है।

हंसी-ठिठोली का वैश्विक उत्सव है मूर्ख दिवस

'मूर्ख दिवस' केवल आम लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई प्रसिद्ध ब्रांड, मीडिया हाउस और सरकारी संस्थाएं भी इस अवसर पर मजेदार अफवाहें या रोचक प्रचार के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करती रही हैं। कई बार बड़े समाचार पत्र और ऑनलाइन पोर्टल्स इस दिन ऐसी खबरें प्रकाशित कर देते हैं, जिन पर लोग सहज रूप से विश्वास कर बैठते हैं लेकिन अंत में पता चलता है कि वे महज 'अप्रैल फूल' मजाक का एक हिस्सा थी। इतिहास में कई बड़े-बड़े किस्से इस दिन से जुड़े हुए हैं। 1957 में ब्रिटेन के बीबीसी चैनल ने एक खबर चलाई कि स्विट्जरलैंड के किसान स्पेगेटी के पेड़ों से ताजा स्पेगेटी तोड़ रहे हैं। इस खबर को देखकर हजारों लोगों ने चैनल से संपर्क कर पूछा कि वे ऐसे पेड़ कहां से खरीद सकते हैं। इसी तरह 1996 में प्रसिद्ध फास्ट फूड चेन 'बर्गर किंग' ने घोषणा की कि उन्होंने विशेष रूप से बाएं हाथ वालों के लिए 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर बनाया है। इस खबर पर हजारों लोगों ने विश्वास कर लिया और कुछ ने तो यह भी पूछ लिया कि क्या उनके लिए 'राइट-हैंड व्हॉपर' बर्गर उपलब्ध है। तकनीकी और डिजिटल युग में भी यह परंपरा और तेजी से विकसित हुई है।

मूर्ख दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं।

विश्वभर के लगभग सभी देशों में पहली अप्रैल का दिन 'फूल्स डे' अर्थात् 'मूर्ख दिवस' के रूप में ही मनाया जाता है। कोई छोटा हो या बड़ा, इस दिन हर किसी को जैसे हंसी-ठिठौली करने का बहाना मिल जाता है और लोग एक-दूसरे को मूर्ख बनाने की चेष्टा करते नजर आते हैं। ऐसी असत्य और मनघडंत कल्पनाओं को ही यथार्थ का रूप देकर, जिन पर कोई भी आसानी से विश्वास कर सके, किसी तरह का नुकसान पहुंचाए बिना लोग एक-दूसरे को मूर्ख बनाने का प्रयास करते हैं और प्रायः बहुत चतुर समझे जाने वाले व्यक्ति भी मूर्ख बन जाते हैं। शायद यही कारण है कि इस दिन चाहे कोई किसी का कितना ही विश्वासपात्र क्यों न हो, मस्तिष्क में यह बात विराजमान रहती है कि कहीं यह हमें मूर्ख तो नहीं बना रहा! कई बार होता यह भी है कि लोग कोशिश तो करते हैं दूसरों को मूर्ख बनाने की लेकिन इस कोशिश में खुद ही मूर्ख बन जाते हैं और जब ऐसा होता है तो वाकई बड़ा मनोरंजक माहौल बन जाता है। कभी-कभी तो इस दिन सैंकड़ों-हजारों की संख्या में भी लोग एक साथ 'मूर्ख' बनते देखे गए हैं।

'मूर्ख दिवस' केवल आम लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई प्रसिद्ध ब्रांड, मीडिया हाउस और सरकारी संस्थाएं भी इस अवसर पर मजेदार अफवाहें या रोचक प्रचार के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करती रही हैं। कई बार बड़े समाचार पत्र और ऑनलाइन पोर्टल्स इस दिन ऐसी खबरें प्रकाशित कर देते हैं, जिन पर लोग सहज रूप से विश्वास कर बैठते हैं लेकिन अंत में पता चलता है कि वे महज 'अप्रैल फूल' मजाक का एक हिस्सा थी। इतिहास में कई बड़े-बड़े किस्से इस दिन से जुड़े हुए हैं। 1957 में ब्रिटेन के बीबीसी चैनल ने एक खबर चलाई कि स्विट्जरलैंड के किसान स्पेगेटी के पेड़ों से ताजा स्पेगेटी तोड़ रहे हैं। इस खबर को देखकर हजारों लोगों ने चैनल से संपर्क कर पूछा कि वे ऐसे पेड़ कहां से खरीद सकते हैं। इसी तरह 1996 में प्रसिद्ध फास्ट फूड चेन 'बर्गर किंग' ने घोषणा की कि उन्होंने विशेष रूप से बाएं हाथ वालों के लिए 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर बनाया है। इस खबर पर हजारों लोगों ने विश्वास कर लिया और कुछ ने तो यह भी पूछ लिया कि क्या उनके लिए 'राइट-हैंड व्हॉपर' बर्गर उपलब्ध है। तकनीकी और डिजिटल युग में भी यह परंपरा और तेजी से विकसित हुई है।

कभी-कभार इस अवसर पर ऐसे दिलचस्प मामले भी सामने आते रहे हैं, जब लोग इस दिन सच्ची खबर पर भरोसा नहीं करके भी 'अप्रैल फूल' बन गए और बाद में बहुत पछताए। ऐसा ही एक वाकया 2015 में न्यूजीलैंड में सामने आया था, जब वहां के एक बड़े अखबार 'न्यूजीलैंड हेराल्ड' में दुनिया की विख्यात कार निर्माता कम्पनी बीएमडब्ल्यू ने 'अप्रैल फूल्स डे स्पेशल ऑफर' का विज्ञापन दिया। विज्ञापन में कम्पनी की ओर से दावा किया गया कि जो भी व्यक्ति इस विज्ञापन के साथ छपे कूपन को लेकर इस दिन सबसे पहले कम्पनी के शोरूम पहुंचेगा, उसे उसकी किसी भी पुरानी कार के बदले बिल्कुल नई बीएमडब्ल्यू कार दी जाएगी। लोगों ने इस विज्ञापन को कार निर्माता कम्पनी का अप्रैल फूल बनाने का हथकंडा समझा। टियाना मार्श नामक एक महिला अपनी किस्मत आजमाने की सोचकर अपनी 15 वर्ष पुरानी कार लेकर कम्पनी के शोरूम पहुंच गई। शोरूम में पहुंचने वाली वह एकमात्र व्यक्ति थी और वहां पहुंचकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब उसे उसकी खटारा कार के बदले वाकई 50 हजार डॉलर वाली चमचमाती बीएमडब्ल्यू कार की चाबी कम्पनी द्वारा सौंप दी गई।

वैसे 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने का कारण यही माना जाता रहा है कि पुराने जमाने में चूंकि नए साल की शुरूआत 1 अप्रैल से ही होती थी, अतः लोग इस दिन को हंसी-खुशी गुजारना चाहते थे ताकि उनका पूरा साल हंसी-खुशी बीते। लोगों की इसी धारणा के चलते 1 अप्रैल को 'हास्य दिवस' के रूप में मनाने की परम्परा शुरू हुई थी लेकिन धीरे-धीरे लोगों का उत्साह इस दिवस के प्रति कम होने लगा तो कुछ लोगों ने इस दिन कृत्रिम हास्य के जरिये दूसरों को बेवकूफ बनाना शुरू कर दिया। लोगों को भी यह अंदाज इतना पसंद आया कि इस परम्परा ने धीरे-धीरे 'मूर्ख दिवस' का रूप ले लिया। 'अप्रैल फूल' बनाने की पश्चिमी देशों में शुरू हुई यह परम्परा भारतीय संस्कृति में कब और कैसे प्रवेश कर गई, पता ही नहीं चला लेकिन भले ही इस परम्परा पर पाश्चात्य संस्कृति का रंग बहुत गहरा चढ़ा है पर यदि हम इस परम्परा में निहित उद्देश्यों को गहराई में जाकर देखें तो गौरवशाली भारतीय संस्कृति के आधार पर भी यह परम्परा गलत नहीं ठहराई जा सकती क्योंकि आज की भागदौड़ भरी अस्त-व्यस्त सी जिन्दगी में व्यक्ति के पास जहां चैन से सांस लेने के लिए दो पल की भी फुर्सत नहीं है, वहीं इस दिवस के बहाने साल में सिर्फ एक दिन ही सही, व्यक्ति को खिलखिलाकर हंसने का मौका तो मिलता है।

'मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा की पृष्ठभूमि में संभवतः व्यस्त जिंदगी में मानव मन को कुछ पल का सुकून प्रदान करने की प्रवृति ही समायी है लेकिन इसके साथ-साथ इस मौके पर इस बात का ध्यान रखा जाना भी अत्यंत आवश्यक है कि 'मूर्ख दिवस' सभ्य मजाक के जरिये किसी को कुछ समय के लिए मूर्ख बनाकर मनोरंजन करने का दिन है। अप्रैल फूल के बहाने जानबूझकर किसी के साथ ऐसा कोई मजाक नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उसकी भावनाओं को ठेस पहुंचे या उसका कोई अहित अथवा नुकसान हो। मूर्ख दिवस की आड़ में किसी से अपनी दुश्मनी निकालने या अपने किसी अपमान का बदला लेने की चेष्टा भी नहीं होनी चाहिए। यदि विशुद्ध भावना से शुद्ध हास्य के जरिये इस दिन किसी को मूर्ख बनाने की कोशिश होती है तो सभवतः किसी भी व्यक्ति को ऐसे मजाक का बुरा नहीं लगेगा।

शुद्ध हास्य वैसे भी तनाव से मुक्ति प्रदान करने के साथ-साथ मन में आपसी प्रेम भाव तथा भाईचारे की भावना का संचार भी करता है और शुद्ध हास्य से सराबोर माहौल और भी खुशनुमा बन जाता है। ऐसे में मूर्ख दिवस मनाने की प्रासंगिकता आज के तनाव व घुटन भरे माहौल में बहुत बढ़ जाती है। दोस्तों, परिचितों अथवा संबंधियों को एक अप्रैल के दिन कुछ समय के लिए ही सही, मूर्ख बनाकर अपना व दूसरों का स्वस्थ मनोरंजन करने में कोई हर्ज नहीं है, बशर्ते ऐसा करते समय शालीनता, शिष्टता और सभ्यता की उपेक्षा न की जाए। ऐसे में देखा जाए तो मूर्ख दिवस की महत्ता आज के दमघोंटू माहौल में कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि वर्षभर में एक दिन के लिए ही सही, यह दिन हमें हंसी-खुशी के फव्वारे छोड़ने अर्थात् खिलखिलाकर हंसने-हंसाने तथा मनोरंजन करने का भरपूर अवसर प्रदान करता है।

मूर्खता असीम आनंद का स्रोत है

ज्ञान सदैव से दुख का कारण रहा है। ज्ञान आपको आपके कुछ करने के पहले ,कुछ तय करने के पहले ही डरा कर आपको रोक लेता है। ज्ञान भ्रमित करता है। अनिर्णय का कारण है ज्ञान। मूर्खता सदैव त्वरित निर्णय लेने में समर्थ होती है। मूर्खता आदमी को निडर बनाती है। वह आग में कूद सकता है। पहाड फाँद सकता है और बेधड़क पड़ौसी का गरेबान पकड़ सकता है। मूर्खता भीषण आत्मविश्वास की जननी है। और जैसा की आप जानते ही है आत्मविश्वास स्वयं में बहुत बडा सद्गुण है। मूर्ख किसी से सहमत नही होता। मूर्ख असहमत होने वालो की दुर्गति करने में समर्थ होता है। इसलिये मूर्ख से सहमत होना ही उत्तम विकल्प है।

मूर्ख दिवस पर विशेष

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

मूर्खता से मधुर और कुछ भी नहीं। मूर्खता की सुगंध चारों दिशाओं व्याप्त हो ही जाती है। मूर्ख होना सुविधाजनक है। मूर्ख को किसी भी काम के लिये ज़िम्मेदार नही ठहराया जा सकता। वो खुद सारे जगत की ज़िम्मेदारी होता है। मूर्खता असीम आनंद का स्रोत है। मूर्खता कवच है। कोई भी विघ्न बाधा मूर्खता ओढ़े आदमी का बाल बाँका भी नही कर सकती। मूर्ख कुछ भी वक्तव्य जारी कर सकता है। उस पर बिना किसी की प्रतिक्रिया जाने स्वयं प्रसन्न हो सकता है। वह स्वयंभू है। वह किसी पर आश्रित नही। मूर्खता उसे भावनाओं के मामले में आत्मनिर्भर बनाती है। ग़लतियों उसे डराती नही। ग़लतियाँ उसे संकोच में ,दुविधाओं में डालने में समर्थ नही होती। वह इस मामले में स्वतंत्र होता है।

ज्ञान सदैव से दुख का कारण रहा है। ज्ञान आपको आपके कुछ करने के पहले,कुछ तय करने के पहले ही डरा कर आपको रोक लेता है। ज्ञान भ्रमित करता है। अनिर्णय का कारण है ज्ञान। मूर्खता सदैव त्वरित निर्णय लेने में समर्थ होती है। मूर्खता आदमी को निडर बनाती है। वह आग में कूद सकता है। पहाड फाँद सकता है और बेधड़क पड़ौसी का गरेबान पकड सकता है। मूर्खता भीषण आत्मविश्वास की जननी है। और जैसा की आप जानते ही है आत्मविश्वास स्वयं में बहुत बड़ा सद्गुण है।

मूर्ख किसी से सहमत नहीं होता। मूर्ख असहमत होने वालो की दुर्गति करने में समर्थ होता है। इसलिये मूर्ख से सहमत होना ही उत्तम विकल्प है।

मूर्खता मुखर करती है। मूर्ख मन में नहीं रखता कुछ। जो मर्जी हो कहता है। किसी के भी कुछ कहे जाने का बुरा नही मानता। बुरा मान जाये तो सामने वाले का सर भले ही तोड़ दे पर मन में विषाद नही पाले रहता। मूर्खता निर्मल करती है मन को। सारे ग्लानि विषाद से मुक्त मन उसे स्वस्थ्य बनाये रखता है। इस तरह मूर्खता को उत्तम स्वास्थ्य का कारण माने जाने पर भी किसी को आपत्ति नही होना चाहिये।

मूर्ख प्रायः स्वयं ही आनंदित बना रहता है। पर मूर्खता सदैव बहुसंख्यक रहती है। इसलिये अकेले हो जाने जैसी समस्या उसे कभी कष्ट नहीं देती।

मूर्ख मिलनसार होते हैं। ताने उसे असहज नहीं करते। लाभ हानि जैसी दुनियादारी से मुक्त होता है वो। वो कभी भी किसी प्रतियोगिता में नही पड़ता। हार का डर उसकी नींदें नही उड़ा पाता। ब्लडप्रेशर और शुगर जैसे रोगों से मुक्त निरोगी जीवन जीता है वो और दीर्घायु होता है।

मूर्खता वर्तमान में जीती है। भविष्य की चिताओं से मुक्त रहना स्वभाव है उसका। वह कल के लिये कुछ बचाने जैसी मूर्खता में नही पड़ता ना भूतकाल में कुछ खो देना उसे कष्ट देता है। ऐसी अलौकिक सोच उसे निर्वाण तक पहुँचने का सरल मार्ग उपलब्ध कराती है।

मूर्खता नैसर्गिक गुण है। यह प्रकृति प्रदत्त वरदान है। प्रायः मूर्खता जन्मजात होती है पर चतुर चालाक लोग मूर्खता के लाभ प्राप्त करने के लिये इसे ओढ़ कर इससे लाभान्वित होते ही रहते है। मूर्खता प्रसन्नता का राजपथ है। आईये मूर्खता की ओर बढ़े। मूर्खता को ओढ़े,मूर्खता को बिछायें और सुख को प्राप्त हों।

अंकलवाद, भैया से बाबू बेबी तक

बदलते दौर में सामाजिक ताने - बाने, परिवार और रिश्तेदारी में अनेक मायने बदलते जा रहे हैं। परिवार की परिभाषा और स्वरूप सिमटकर छोटा और छोटा होता जा रहा है। पहले छोटे घरों में परिवार और आगंतुक रिश्तेदार समा जाते थे लेकिन अब घर तो बड़े तथा सुविधाजनक होते जा रहे हैं परंतु दिल छोटे और छोटे। युवा या जेन- जी कहे जाने वाले आजकल आपस में भाई (अंडरवर्ल्ड वाला नहीं) और अब ग्रुप में 'हलो गाइज ' संबोधित करते हैं। कई लोगों को तो पता भी नहीं होता कि ये गाइज क्या बला है। पहले के परिवारों में दम्पति आपस में नाम नहीं लेकर सुनो जी, ऐजी या फिर अपने बच्चों के नाम से बुलाते थे। अब पति परमेश्वर और पत्नी जानूं, डार्लिंग से कब बेबी, बाबू, हनी या हब्बी हो गये पता ही नहीं चला। दरअसल अंकल आंटी और बेबी , बाबू का प्रचलन तो इतनी तेजी से बड़ा कि पुराने संबोधन विलुप्त होते जा रहे हैं।

अप्रैल फूल दिवस पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

यदि आप बाजार, बैंक, पोस्ट ऑफिस, पार्क, यात्रा के दौरान या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर खड़े हों और आवाज आती है अंकल, अंकल जी या भैया तो वहां मौजूद कई लोग उसी दिशा में मुड़कर जरूर देखेंगे कि कहीं कोई उन्हें तो नहीं पुकार रहा। यही समाज, परिवार और सार्वजनिक जगहों पर फैलता अंकल या भैयावाद या फिर इसमें आंटी को भी शामिल कर लेते हैं। हर कोई हर किसी को अंकल, आंटी और भैया से संबोधित कर रहा है। चाहे वह रिश्तेदार हो, परिवार से जुड़े कोई मित्र, दुकानदार, डिलिवरी बॉय, दूधवाला, सब्जीवाला, ड्राइवर, ओला उबर चलाने वाला या अन्य सेवाएं घरों के दरवाजों पर उपलब्ध कराने वाला अथवा कोई और शख्स।

बदलते दौर में सामाजिक ताने - बाने, परिवार और रिश्तेदारी में अनेक मायने बदलते जा रहे हैं। परिवार की परिभाषा और स्वरूप सिमटकर छोटा और छोटा होता जा रहा है। पहले छोटे घरों में परिवार और आगंतुक रिश्तेदार समा जाते थे लेकिन अब घर तो बड़े तथा सुविधाजनक होते जा रहे हैं परंतु दिल छोटे और छोटे। युवा या जेन-जी कहे जाने वाले आजकल आपस में भाई (अंडरवर्ल्ड वाला नहीं) और अब ग्रुप में 'हलो गाइज' संबोधित करते हैं। कई लोगों को तो पता भी नहीं होता कि ये गाइज क्या बला है। पहले के परिवारों में दम्पत्ति आपस में नाम नहीं लेकर सुनो जी, ऐजी या फिर अपने बच्चों के नाम से बुलाते थे। अब पति परमेश्वर और पत्नी जानूं, डार्लिंग से कब बेबी, बाबू, हनी या हब्बी हो गये पता ही नहीं चला। दरअसल अंकल आंटी और बेबी, बाबू का प्रचलन तो इतनी तेजी से बड़ा कि पुराने संबोधन विलुप्त होते जा रहे हैं।

घर के दामाद को जमाई जी, जामाता, कुंवर जी, कुंवर सा से लेकर अब सीधे नाम लेकर बुलाया जाने लगा है। किसी समय के काका - काकी अब चाचा- चाची से लेकर चाचू बहन को बाई सा, दीदी या बेन के बाद सीधे नाम से संबोधित किया जाने लगा है।

इसी तरह जीजाजी को कब से जीजू कहा जाने लगा है। किसी समय जीजाजी के नखरे कम नहीं होते थे उन्हें हाथ में पानी का गिलास और अन्य वस्तुएं चाहिये होती थी। ससुराल में पूरी मनमर्जी उन्हीं की चला करती थी लेकिन अब उनके भी बुरे दिन आ गये लगता है। बदलते दौर में इन जीजुओं के नखरे उठाने वाले भी नहीं बचे हैं। आज कहां किसी को इतनी फुर्सत होती है। सो, ससुराल को भी घर समझकर अपना काम खुद करो का जमाना चल रहा है।

समाज, परिवार और रिश्तेदारी में सबसे बुरे हाल बेचारे फूफाजी के नजर आते हैं। फूफाजी को कभी भी किसी भी मौके पर नाराज होते, असंतुष्ट भाव, मुंह फुलाकर बैठने वाले या रंग में भंग करने वाले पात्र के रूप में चित्रित किया जाता है। इस किरदार को लेकर अनेक कहावतें, विचार प्रकट होते रहते हैं जैसे- आप क्यों फूफा बने बैठे हो।इन दिनों चल रही एक जंग की डिबेट में तो एक एक्सपर्ट ने पाकिस्तान को लेकर कह दिया कि वो जबरन फूफा बना घूम रहा है जबकि उसे कोई पूछता नहीं। हालांकि अपवाद स्वरूप ही सही कुछ फूफा आज भी ऐसे मिल जायेंगे जो सभी जगह हर हाल में एडजस्ट हो जाते हैं लेकिन क्या करें ' मुफ्त हुए बदनाम....।

एक समय दाजी, पिताजी, बाबूजी कहे जाने वाले पिता पापा, डेडी या डेड और इसी तरह मां, अम्मा, बाई, मम्मी से होते हुए कब मम्मा और अपभ्रंश होकर मोमा कही जाने लगी पता ही नहीं चला। दादाजी को दादू, नाना को नानू और मामाजी को मामू (सुबह हो गई मामू नहीं) ताऊ जी को बड़े पापा कहा जाने लगा है। इसी तरह बेटे को ज्यादातर नाम से या लाड़ से भइयू, छोकरा, गुजराती में डीकरा या बाबो और मराठी में बाड़ा, घर की बहू को बहू,लाड़ी, बींधनी, बहूरानी से अब घरों में नाम लेकर बुलाया जाने लगा है। गनीमत है कि प्राचीन काल से चले आ रहे दादी, नानी, बुआजी सासूजी, सासू मां मम्मी जी सर, जी सर, यश सर, साहब इत्यादि आज भी धड़ल्ले से चल रहे हैं, अपने जमाने की किसी पॉपुलर हिट फिल्म की तरह। यह भी सच है कि आपस के संबोधन पर फिल्मों, टीवी सीरियल, पत्र- पत्रिकाओं का भी प्रभाव रहा है।

कुछ समय पहले तक शाम की वॉक के दौरान मध्यप्रदेश के एक सेवानिवृत्त डीजीपी से सामाजिक,राजनैतिक और वर्तमान समय के सामयिक मुद्दों पर चलते- चलते चर्चा हो जाया करती थी। उनका भी यही मानना है कि बदलते सामाजिक वातावरण और मान्यताओं के दृष्टिगत हर किसी को अंकल या भैया संबोधित करना उचित नहीं कहा जा सकता बल्कि इसका विकल्प सामने आना चाहिये।उनका कहना था कि खास तौर पर इन दोनों संबोधनों की आड़ में भी अपराध पनप रहे हैं। इन नजदीकी संबोधनों का आपराधिक तत्व नाजायज फायदा उठाने का कुत्सित काम करते हैं। लोग इसे समझें तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।समाज को दिशा देने वाले विद्वज्जन, आचार्यों और सोशल सेक्टर में कार्यरत कार्यकर्ताओं को इसका हल खोजना चाहिये। यही श्रेयस्कर होगा।

श्री श्वेतांबर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक हर्षोल्लास के साथ मनाया

धार। श्री श्वेतांबर जैन समाज द्वारा आज भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया। सर्वप्रथम प्रातः काल की बेला से ही वासक्षेप पूजा, केसर पूजा, सामूहिक चैत्यवंदन, कर प्रभु की रथयात्रा पू. आचार्य भगवंत श्री जीतरत्नसागरसुरेश्वर जी एवं चंद्ररत्नसागरसुरेश्वरी जी महाराज साहब के सानिध्य में नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री पारसनाथ मंदिर, श्री आदेश्वर मंदिर, श्री शंखेश्वर मंदिर दर्शन, और चैत्यवंदन कर राजेंद्र भवन पहुंच कर प्रवचन के रूप में परिवर्तित हुई।

जहां पूज्य आचार्य भगवान चंद्ररत्नसागर सुरेश्वर जी ने समाज को प्रेरणा दी। आज हम एक संकल्प लें कि भगवान महावीर के बताएं मार्गों पर चलकर उनके द्वारा दिए गए उपदेशों को जीवन में धारण कर जीवन को परिवर्तित कर सफल बनाना है। इसी क्रम में पूज्य आचार्य भगवान ने सभी

श्रावक श्राविकाओं को यह प्रेरणा दी कि हमें हमारे दैनिक जीवनचार्य में भगवान महावीर द्वारा बताएं मार्ग पर चलकर सभी जीवो की रक्षा करना, मैत्री भाव को आपस में बनाकर रखना, हमें हमारे साथियों को सहयोग करना, जो हमारे बराबर या हमारे समक्ष नहीं है उनकी मदद करना। इस प्रकार आपसी मैत्री भाव कर इस जन्म कल्याण को सफल बनाना है। जन्म कल्याण पर सभी श्री संघ के सदस्यों में पूज्य आचार्य भगवान की प्रेरणा को ग्रहण कर अपने आप को प्रभु महावीर के सिद्धांतों के अनुसार चलने हेतु संकल्पित किया।

सर्वप्रथम गुरु वंदन कर पूजा आचार्य भगवान के प्रवचन हुए और प्रवचन के पश्चात पूज्य आचार्य भगवान ने सभी को मांगलिक श्रवण करवाई।

अंत में सभी समाज जनों ने एक दूसरे को बधाई देकर उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रभु की रथ यात्रा में सभी समाजजन एक साथ पुरुष सफेद वस्त्र में और महिलाएं केसरिया वस्त्र धारण किए हुए चल रहे थे। प्रभु के आगे जगह-जगह अक्षत से गवली कर प्रभु को वदाया जा रहा था।

छोटा महावीरजी कागदीपुरा में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

धार। छोटा महावीरजी कागदीपुरा में 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन कर अभिषेक शांतिधारा की।

अभिषेक करने के लाभार्थी रोहित नेमीचंद बाकलीवाल नीमच रहे शांतिधारा का लाभ गिरनी बाई बाबूलाल विनय कुमार छाबड़ा बगड़ी वालों को मिला। आए हुए श्रावकों को अभिषेक करने का अवसर मिला। संगीतमय पूजन नितिन गंगवाल मांडव ने करवाई। भगवान महावीर स्वामी को पालना झुलाने का कार्यक्रम हुआ।

इस अवसर पर तीर्थ प्रमुख विनय छाबड़ा इंजी.आशीष जैन,अजीत छाबड़ा,कमेटी के सुरेश गंगवाल, प्रकाश गंगवाल, मुकेश गंगवाल, अजय छाबड़ा, संजय छाबड़ा पवन छाबड़ा, राहुल,अमन, अंकित छाबड़ा,संजय सेठी एवं पवन जीराबाद, निलेश मोदी बदनावर, विपुल इंदौर संतोष काला कुंजरोद इंदौर धार धामनोद के समाजजन महिला संगठन की चेतना छाबड़ा,

मनीषा जैन ,निशा गंगवाल, कल्पना, ममता,रूपा छाबड़ा, सरला गंगवाल और अर्चना सेठी नीरू छाबड़ा महिला मंडल ने विश्व शांति के लिए विधान किया। पंडित सुधीर शास्त्री और पंडित आशुतोष शास्त्री द्वारा धार्मिक अनुष्ठान करवाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका

सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतें जल संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रे वाटर प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए लीच पिट की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई का कार्य कराया जा रहा है, जिससे अपशिष्ट जल के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में घरों से निकलने वाले अपशिष्ट जल (ग्रे वाटर) के प्रबंधन हेतु लीच पिट एक किफायती, पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ प्रणाली के रूप में उपयोगी सिद्ध हो रही है। यह व्यवस्था पानी को धीरे-धीरे जमीन में रिसने देती है, जिससे जलभराव की समस्या नहीं होती और भूजल स्तर के पुनर्भरण में भी मदद मिलती है। अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर

जनसमुदाय एवं शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जल के सदुपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है।इसके साथ ही अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 'जल मंदिर' स्थापित कर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। वहीं पारंपरिक 'प्याऊ' की व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंदों को निःशुल्क ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। यह परंपरा न केवल प्यास बुझाने का कार्य करती है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, मानवीय संवेदना और जल संरक्षण के संदेश को भी सशक्त रूप से प्रसारित करती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई गति मिल रही है।

ग्राम ठीकरी में एकत्रित हुए कद्दावर नेता

समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहे,तो यह एक बड़ी जनशक्ति बनकर उभरेगा : पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, विधायक सीताशरण शर्मा

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय से करीबन 21 किलोमीटर दूर ग्राम ठीकरी में ऐक्टिव भारत मंच की ब्लाक स्तरीय बैठक सोमवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक सीताशरण शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष प्रांशु थाने, जनपद पंचायत अध्यक्ष नर्मदापुरम भूपेंद्र चौकसे, सोहागपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल एवं कद्दावर नेताओं को एक मोबाइल संदेश से एकत्रित करने वाले ईश्वरसिंह पटेल आदि मंचासीन थे। उक्त बैठक ऐक्टिव भारत मंच के संगठन विस्तार, भविष्य की रणनीति एवं जमीनी स्तर संगठन पर सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर आहुत की गई थी।

इस अवसर पर विधायक सीताशरण शर्मा ने कहा कि आज के समय में समाज को एकजुट करने और सकारात्मक दिशा देने वाले संगठनों की अत्यंत आवश्यकता है। ऐक्टिव भारत मंच जिस उद्देश्य के साथ कार्य कर रही है। वह युवाओं एवं समाज दोनों के लिए प्रेरणादायक है। यदि संगठन इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ता रहा, तो यह एक बड़ी जनशक्ति बनकर उभरेगा। ऐक्टिव भारत मंच के अध्यक्ष प्रांशु राने ने कहा,हमारा लक्ष्य केवल संगठन बनाना नहीं, बल्कि एक मजबूत सामाजिक नेटवर्क तैयार करना है। वर्तमान में मंच का विस्तार नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, भोपाल, नरसिंहपुर और रायसेन जिलों में तेजी से किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रत्येक ब्लाक एवं ग्राम स्तर तक इसे सक्रिय

किया जाएगा। ऐक्टिव भारत मंच के ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम पटेल ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन के विस्तार को मजबूत प्रदान करने के साथ ऐक्टिव भारत मंच को गांव-गांव तक सक्रिय करना है। ऐक्टिव भारत मंच अपने मूल ध्येय 'एकता, सेवा और प्रगति' के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास कर रहा है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक सीताशरण शर्मा के भोपाल प्रवास के कारण वापिस जाने के उपरांत भी प्रतिष्ठित नागरिकों का आना जारी था। यहां भोजन प्रसादी भी आगुंतकों के लिए रखी गई थी। देर शाम तक उत्साह का वातावरण रहा। इसी अवसर पर एक फोन पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों को एकत्रित करने वाले ईश्वरसिंह पटेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में कहां कि सेठ (याने भाजपा के प्रथम झंडा उठाने वाले स्वर्गीय लक्ष्मणदास गोलानी) के बारे में कहा कि उन्होंने ही हम लोगों को भाजपा के लिए सक्रिय किया था। उनके प्रत्येक ग्राम में समर्पित ग्राम वासी थे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस शासनकाल में कोई भाजपा का झंडा उठाने को तैयार नहीं होते थे।ऐसे में विपक्ष में रहते आन्दोलन करते रहते।हम लोग भी उनका सहयोग करते रहते थे।

लेकिन उन्होंने जो एक वट वृक्ष लगाया था।उसकी छाया कैसे लोग ले रहे हैं।यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। उसके उपरांत आपने विधायक दादा स्वर्गीय मधुकरराव हर्ण का सार्गभित ज़िक्र किया। उनके क्षेत्रवासियों पर समर्पण की भावना की प्रशंसा की। इस अल्प समय में आयोजित

बैठक में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव साझा किए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह एवं ऊर्जा का माहौल रहा। इस अवसर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल,भाजपा सुरेश पटेल, अंजनी पटेल, कांग्रेस के रणवीरसिंह पटेल ,कृष्णा पालीवाल, विशाल गोलानी , कांग्रेस के जिला जनपद सदस्य दौलतराम पटेल,भरतजी पटेल, विक्रम रघुवंशी,

सौरभ (गोलू) अग्रवाल, संतोष कुशवाहा, सुनील राठौर, सुनील रघुवंशी वकील, प्रांजल तिवारी, देवेंद्र पटेल, सरपंच दयाराम पटेल गुरमखेडी, बड्डे भैया गुजरखेरी, खेमचंद पटेल किवलारी, राम हजूर पटेल किवलारी सहित गई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अंत में नर्मदापुरम से भाजपा नेता प्रसन्ना हर्ण भी पहुंच गए। इसके पूर्व विधायक सीताशरण शर्मा का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। हिमांशु पटेल ठीकरी ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि ऐक्टिव भारत मंच के बेनर तले ऐसे नागरिकों का सम्मान करना है।जो निरंतर सेवा भाव किसी भी क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। उदाहरण स्वरुप समाज में समरस और जागरण का कार्य करती है। जिसमें करीबन 50 वर्षों से निरंतर ÷राम फेरी एवं सीता-राम कीर्तन÷ को जीवंत बनाए रखने वाले श्रद्धालुओं का सम्मान किया जाएगा।इसी क्रम में रेवा बनखेड़ी में नर्मदा जी की स्वच्छता के लिए पर्यावरण सेवकों घाटों की सफाई एवं अवैध रेत उत्खनन को रोकने वाले सेवकों,ईश्वरपुर से यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र , भारतीय सेना के पूर्व सैनिक नीलम पटेल अपना योगदान नवीन फौजियों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाले ऐसी विभूति सहित उत्कृष्ट योगदान देने वालों को करने सम्मानित करने का प्रस्ताव था।

स्वच्छता जागरूकता और सेवा का संगम

सीधी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर गोद ग्राम नौगवां धीर सिंह में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ 23 मार्च को मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. अरविंद त्रिपाठी एवं श्रीमती प्रतिभा भार्गव की उपस्थिति में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उद्घाटन उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रभात फेरी, योग, स्वल्पाहार, बौद्धिक चर्चाएं एवं सामाजिक गतिविधियां आयोजित की गईं। द्वितीय दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की गई, वहीं तृतीय दिवस सामाजिक न्याय एवं निरूशक्तजन विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत व्याख्यान आयोजित हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने पोस्टर एवं कविता के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान नशा निषेध एवं जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई तथा स्वच्छता एवं साक्षरता रैली निकाली गई। चतुर्थ दिवस स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए एवं वृद्धाश्रम परिसर में स्वच्छता कार्य किया। पंचम दिवस जिला प्रशासन के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आपदा से निपटने हेतु प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उपकरणों के उपयोग की जानकारी भी दी गई। षष्ठम दिवस मलेरिया जागरूकता, साइबर क्राइम पर चर्चा एवं बाल विवाह विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। शाम के समय आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने लोकगीत, सैला नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंतिम दिवस 29 मार्च को आयोजित समापन समारोह में शिविर की समस्त गतिविधियों का सिंहावलोकन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एम. यू. सिद्दीकी उपस्थित रहे।

बहरी तहसील में ऑनलाइन रिश्वत का हुआ खुलासा

सीधी। जिला स्तरीय जन सुनवाई में आज बहरी तहसील के एक लिपिक की शिकायत पहुंची है, पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराते हुए रिश्वत का जो प्रमाण प्रस्तुत किया है उसे देख सभी की आंखे खुली की खुली रह गई। उल्लेखनीय है कि सिहावल विकासखंड अंतर्गत संचालित बहरी तहसील में पदस्थ भृत्य को लिपिकीय कार्य सौंपा गया है, जो अब खुद को तहसीलदार ही समझ लिया है। बताया जा रहा है कि चपरासी को लिपिक के प्रभार जब से दिया गया है तब से यह आलम बना हुआ है, इनके द्वारा लंबे समय से भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस संबंध में शिकायतकर्ता आशीष कुमार मिश्रा पिता छत्रमणि मिश्रा निवासी ग्राम मझरेटी खुर्द ने दिए आवेदन में कहा है कि न्यायालय नायब तहसीलदार बहरी में भृत्य के मूलपद पर पदस्थ लोकेश कुमार श्रीवास वर्ष 2018 से निरंतर लिपिक/प्रस्तुतकार का कार्य कर रहे हैं। उक्त भृत्य अपने कार्यस्थल का नाजायज लाभ लेते हुए पक्षकारों से रिश्वत की अवैध वसूली कर रहा है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह स्वयं फोन-पे के माध्यम से दिनांक 23 फरवरी 2025 को एक हजार एवं दिनांक 3 मई 2025 को 500 रुपए देने के साथ ही कई बार नकदी दे चुके हैं। उक्त भृत्य की शिकायत पूर्व में भी कलेक्टर सीधी के समक्ष 9 सितंबर 2025 को की गई थी फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब नवागत कलेक्टर के यहां आवेदन देकर भृत्य पर कार्रवाई की मांग की गई है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की अगवानी

सोहागपुर। ऐक्टिव भारत मंच के तत्वावधान में सोहागपुर विधानसभा के ग्राम ठीकरी में संगठन के विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई।इस बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक सीताशरण शर्मा के ग्राम आगमन पर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल,दयाराम पटेल, प्रांशु थाने, खेमचंद पटेल, ईश्वर सिंह पटेल सहित कई नागरिकों ने उनकी अगवानी की।

शोभापुर में पत्रकार को धमकी,रोष

सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम शोभापुर में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब अपराधी एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकार को फोन पर धमकी वो भी गर्दन उतार देंगे की धमकी देने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में बस कंडक्टर के साथ हुई मारपीट की खबर प्रसारित होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकार को दी है। इससे पत्रकारों में रोष व्याप्त है। बताया जा है कि धमकी देने वाले आरोपी ने पुलिस पर भी अनर्गल टिप्पणियां की हैं। पत्रकारों ने मामले में पुलिस को कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

देवास के एक टॉकीज से अपहृत युवक-युवती को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचाया, 6 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

देवास। शहर के अभिनव टॉकीज में फिल्म देखने गए युवक-युवती के साथ अपहरण और मारपीट की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि इंदौर के युवकों ने महिला के पूर्व पति रवि वर्मा और उस के साथी हर्षित वर्मा व पीयूष यादव अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों को जबरन कार में बैठाकर इंदौर ले गए। सूचना पर देवास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। जानकारी के अनुसार फरियादी चिरायु पाठक ओर महिला कृतिका तिवारी दोस्त हैं और रविवार रात करीब 8:30 बजे अभिनव टॉकीज से फिल्म देखकर बाहर निकले थे। तभी महिला का पूर्व पति रवि वर्मा अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने महिला ओर युवक को जबरन कार में बैठाया और मारपीट करते हुए इंदौर के एमआईजी क्षेत्र की ओर ले गए। मौका मिलते ही महिला और युवक ने एमआईजी थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की सूचना दी। वहीं, देवास में घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस सक्रिय हो गई और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर अपराधियों का पीछा किया पश्चात कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद शर्मा की टीम ने पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विश्व शांति का संदेश देते हुए मनाई गई महावीर जयंती, संपूर्ण नगर हुआ महावीरमय

देवास। जियो और जिने दो का अमर संदेश देकर दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले जैन जगत के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामीजी का जन्म कल्याणक दिवस महावीर जयंती आज देवास नगर के समग्र जैन समाज द्वारा अपूर्व उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसके चलते संपूर्ण नगर महावीरमय बन गया।

विश्व के वर्तमान हिंसात्मक वातावरण का समाधान महावीर के अहिंसा एवं मैत्री सिद्धांत द्वारा ही हो सकता है। इसी उद्देश्य वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है को प्रदर्शित करते हुए निकली झांकी की सर्वत्र प्रशंसा हुई एवं आकर्षण का केन्द्र बनी। महावीर प्रभु के जन्मोत्सव की खुशियां मनाते हुए श्रद्धालु नौजवान झूमते- नाचते चल रहे थे। चांदी के सुसज्जित रथों में बैठकर जब भगवान महावीर स्वामी नगर भ्रमण पर विशाल शोभा-यात्रा के साथ निकले तो श्रीफल एवं अक्षत से अपने प्यारे प्रभु की अगवानी के लिये श्रद्धालु दौडे चले आये। शोभा यात्रा मार्ग में महावीर स्थानकवासी संघ ने प्रभु महावीर के जीवन चरित्र पर नयनाभिराम जीवंत झांकी की सराहनीय प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर शोभायात्रा का मार्ग में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाओं ने स्वागत किया। आयोजन में समिति के अध्यक्ष विजय जैन, महासचिव शैलेन्द्र चौधरी, भरत चौधरी, सचिव संजय कटारिया एवं पदाधिकारी अतुल जैन, मनीष जैन कायथावाला, मुकेश चौधरी, विशाल जैन , नितिन जैन मानव, पारस जैन, सुनील जैन घोटू, रिंकेश जैन, प्रदीप जैन तुमसरवाला, पारस जैन इटावा, निलेश जैन, सतीश जैन, ने सहयोग प्रदान किया। महावीर जयंती के उपलक्ष्य

में पूर्व संध्या पर समाज की महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रेरक नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। नगर के सभी जैन मंदिरों में अनेक विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। जैन धर्मावलंबियों ने अपने निवास स्थान पर केशरिया एवं जैन ध्वज फहराये तथा दीपक जलाये। साथ ही सभी जैन मंदिरों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई।

आकर्षक शोभायात्रा का नजारा- मुख्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा सुबह 8.30 बजे श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर से निकाली गई। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिला, पुरूष तथा बच्चें शामिल थे। नवयुवक एवं नवयुवतियों ने विशेष परिधान धारण किए थे। विशाल जनसमुदाय को समाहित किये हुए यह शोभायात्रा अनेक आकर्षणों से सुसज्जित थी। सबसे आगे अश्वारोही दल केशरिया ध्वज थामें चल रहा था। महावीर स्वामी के जीवन चरित्र की नयनाभिराम झांकी ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। नवयुवकों में अपूर्व उत्साह था, जो देखते ही बनता था। बालिकाएं आकर्षक डांडिया रास प्रस्तुत कर रही थी। महिलाओं की विशाल संख्या मस्तक पर 108 कलश लेकर कतारबद्ध चल रही थी। इसके बाद चांदी के सुसज्जित रथ में विराजमान थे प्रभु महावीर स्वामी। भगवान की एक झलक पाने के लिये श्रद्धालुओं में होड़ लगी हुई थी। सम्पूर्ण वातावरण भगवान महावीर की जय-जयकार एवं भगवान महावीर का अमर संदेश जियो और जीने दो के नारों से गुंजायमान हो रहा था। महिलाओं का विशाल समूह मंगल गीत गाते हुए चल रहा था। प्रभु के भक्ति पूर्ण गीतों ने नगर वासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शोभायात्रा वर्धमान जैन स्थानक, श्री आदेश्वर मंदिर, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर मंदिर, श्री चन्दाप्रभु मंदिर एम.जी. रोड़, श्री चन्दाप्रभु माणिभद्र मंदिर, जवाहर चौक होते हुए श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर समाप्त हुई। श्रमण संस्कृति सदन में श्री जी का अभिषेक हुआ।

ये थे विशेष अतिथि इस भव्य कार्यक्रम के

समारोह में मुख्य अतिथि देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार, जिलाधीश ऋतुराजसिंह, महापौर गीता अग्रवाल, सभापति रवि जैन, भाजपा नेता दुर्गेश अग्रवाल, ओम जोशी, रघुवीरसिंह भदोरिया, आनंद कोठारी, नवीन सोलंकी, पूर्व महापौर सुभाष शर्मा, जयसिंह ठाकुर, रेखा वर्मा, तहसीलदार सपना शर्मा, कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, मनोज राजानी, राजीव खंडेलवाल, विधायक प्रतिनिधि भरत चौधरी, पूर्व पार्षद राजेश यादव, निलेश वर्मा, राम यादव, शुभम चौहान, सुरेश सिलोदिया, देवेन्द्र नवगोत्री, मिलिंद सोलंकी, महेश चौहान, रामेश्वर जलोदिया, अशोक कहार, सुधीर शर्मा, राहुल पंवार, अंकित जैन, विनोद शर्मा, राजकुमार ठाकुर, संजय शुक्ला, अशोक सोमानी, दिनेश मिश्रा, आदि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अनेक संस्थाओं ने किया स्वागत

शोभायात्रा का मार्ग में जैन समाज सामाजिक संगठन, नगर सुरक्षा समिति, सामाजिक समरसता मंच, मॉ चामुण्डा सेवा समिति, भाजपा नगर मंडल,नगर कांग्रेस कमेटी,पार्श्वनाथ नवयुवक मण्डल, विजय जैन मित्र मंडल, शंखेश्वर पार्श्वनाथ ट्रस्ट मंडल, संस्था गौरवमयी, गौतम ग्रुप, माणिभद्रवीर मण्डल, मारवाडी महिला मंडल, स्वर्णकार समाज, कपड़ा व्यापारी एसोसिएशन,खाटू श्याम सेवा समिति, पुस्तक एवं स्टेशनरी एसोसिएशन, वर्धमान स्थानकवासी संघ, चन्दाप्रभुजी नवयुवक मंडल, सराफा एसोसिएशन, अनाज व्यापारी संघ, आदि अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाओं ने स्वागत किया।

'माँ नर्मदा के आंचल में संवर्धन का संकल्प'

मंत्री प्रहलाद पटेल एक हफ्ते में दूसरी बार पहुंचे गुंजारी नर्मदा संगम

सीहोर, (निप्र)। सीहोर जिले के बुधनी जनपद की हरित वादियों में स्थित ग्राम जोशीपुर का गुंजारी नर्मदा संगम घाट आज एक बार फिर जनसेवा और संवेदनशीलता का साक्षी बना। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत यहां पहुंचे प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने न केवल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, बल्कि प्रकृति और संस्कृति के इस पावन संगम से एक गहरा संवाद भी स्थापित किया। नर्मदा के शांत प्रवाह के बीच मंत्री श्री पटेल के घाट पर पहुंचने से वातावरण में एक विशेष ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने संगम स्थल पर चल रहे स्वच्छता एवं संरक्षण कार्यों का सूक्ष्म अवलोकन किया। घाट के हर कोने, सीढ़ियों और जल की स्थिति का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं को परखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने घाट की स्वच्छता, जल की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया, साथ ही भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि गुंजारी संगम घाट के संपूर्ण ढांचे को सुदृढ़ एवं आकर्षक बनाया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर के विकास हेतु भी विशेष कार्य किए जाएंगे, जिससे यह स्थल आस्था के साथ-साथ पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख केंद्र बन सके।

इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल के शब्दों में भावुकता भी झलक उठी। उन्होंने कहा, 'माँ नर्मदा ने हमें सदैव जीवन, आस्था और समृद्धि दी है। अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें स्वच्छता, संरक्षण और सम्मान के रूप में कुछ लौटाएं।' उनके ये शब्द उपस्थित जनसमूह के लिए एक प्रेरणादायक जनआह्वान बन गए। मंत्री श्री पटेल ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को एक निरंतर चलने वाला जनआंदोलन बताते हुए कहा कि यह प्रयास किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि संगम स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य नियमित रूप से जारी रखें।

उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है। उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री पटेल इससे पूर्व भी इस स्थल पर स्वयं स्वच्छता कार्य में सहभागी बन चुके हैं। उस समय उन्होंने जनभागीदारी का जो संदेश दिया था, आज के पुनः निरीक्षण ने उसे और अधिक सशक्त किया है। उनका यह प्रयास स्पष्ट करता है कि संवर्धन केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि संकल्प और सतत प्रयास से संभव होता है।

गुंजारी संगम घाट पर आज का यह निरीक्षण एक प्रशासनिक गतिविधि से कहीं अधिक रहा—यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, संस्कृति के प्रति समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बन गया। यहां बहती नर्मदा की धारा मानो इस संकल्प की साक्षी बन, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की कामना कर रही हो।

नियां में किसानों का प्रदर्शन, बोले-धोखे से जमीन हड़प रहे

सीहोर, (निप्र)। सीहोर जिले के सेवनियां गांव में जमीन विवाद को लेकर किसानों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने पुलिस पर बटाईदारों के साथ मारपीट करने और पटवारी पर बिना आदेश खेत में जबरन तारबंदी कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गैरकानूनी तरीके से की गई है। किसानों के अनुसार, गांव के ही एक किसान हनुमंत सिंह ने अपनी कृषि भूमि करीब 14 साल पहले 11 लाख 75 हजार रुपये में पप्पू कौशल को बेची थी। अनुबंध के अनुसार पूरी रकम मिलने के बाद रजिस्ट्री होना थी, लेकिन आरोप है कि हनुमंत सिंह लगातार टालमटोल करते रहे और अब उसी जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया।

किसी और को कब्जा दिलाने की कोशिश की : पप्पू कौशल का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2012 में यह जमीन खरीदी थी और तब से बटाईदारों के जरिए खेती कर रहे हैं। इसके बावजूद हाल ही में पटवारी और पुलिस बिना किसी आदेश के खेत पर पहुंची और जबरन सीमेंट के खंभे गाड़कर तारबंदी कर दी। विरोध करने पर बटाईदार दिलीप और हरिओम को धमकाते हुए पुलिस मंडी थाने ले गई। किसानों का आरोप है कि बिना किसी वैध दस्तावेज के उनके खेत का कब्जा किसी अन्य को दिलाने की कोशिश की गई। इस मामले को लेकर गांव के कई किसानों ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को शिकायत भेजी है और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

नरवाई नही जलाने के लिए जागरूकता रथ एवं पोस्टर के माध्यम से किसानों को किया जा रहा जागरूक

सीहोर, (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए कृषि विभाग द्वारा जागरूकता रथ संचालित किया जा रहा है, जिसमें लगे लाउडस्पीकर के माध्यम से किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों और नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के बारे में जानकारी दी जा रही है। किसानों को समझाइश दी जा रही है कि वे फसल अवशेष (नरवाई) को जलाने के बजाय वैज्ञानिक तरीकों से उसका प्रबंधन करें, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव हो और कृषि उत्पादन भी अधिक हो। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की जा रही है कि वे नरवाई न जलाएं और बताए गए वैकल्पिक उपायों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

वृद्धजनों को प्रदान किए गए सहायक उपकरण

सीहोर, (निप्र)। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) एवं वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा वृद्धजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार व्हीलचेयर, वॉकर, श्रवण यंत्र, छड़ी, बैसाखी एवं अन्य उपयोगी सहायक सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में विधायक श्री सुदेश राय, श्रीमती अरूणा राय एंव श्री सुदीप प्रजापति ने लगभग 100 से अधिक वृद्धजनों को लगभग 98 सहायक उपकरण प्रदान किए। इस अवसर विशेष बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में संचालक डॉ अर्जुन सिंह, श्री राजेश शर्मा, श्री महेश यादव, श्री मनोज कुमार सहित वृद्धजन, अभिभावक एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने सब जेल गंजबासौदा का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

विदिशा, (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शेख सलीम ने आज उप जेल गंजबासौदा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री शेख सलीम ने बंदियों की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए जेल प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और पाकशाला (रसोईघर) का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की स्थिति देखी। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने जेल में व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर भी उपस्थित रहे। साथ ही जेलर श्री आलोक कुमार भार्गव एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

विधायक श्री मीणा ने दिलाई नरवाई न जलाने की शपथ

विदिशा, (निप्र)। शमशाबाद विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा ने आज ग्राम गुरोद में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर कार्यों का शुभारंभ किया और क्षेत्र के विकास को नई गति देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री मीणा ने उपस्थित ग्रामीणों को नरवाई (फसल अवशेष) नहीं जलाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है, भूमि की उर्वरता घटती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर नरवाई का उचित प्रबंधन करें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहे और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिले। शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कृषि यंत्रों और योजनाओं का लाभ लेने की भी सलाह दी गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूटी ट्रक में घुसने पर कॉन्स्टेबल की मौत

पिता का पहले हो चुका निधन, साथी स्टोनो भोपाल रेफर

रायसेन, (निप्र)। रायसेन में पुलिसकर्मियों की स्कूटी एक ट्रक में पीछे से घुस गई। इस सड़क हादसे में एक पुलिस आरक्षक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रायसेन एसपी के स्टेनो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गोपालपुर मंदिर के पास रात करीब 11 बजे हुई। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है स्कूटी पर सवार पुलिसकर्मी तेज रफ्तार आकर ट्रक में पीछे से घुस जाते हैं। इस भीषण टक्कर में स्कूटी पर सवार पुलिसकर्मी उछलकर रोड पर गिर जाते हैं। हादसे में पुलिस आरक्षक नमन मुद्गल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के स्टेनो ललित मार्को गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल भोपाल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, आरक्षक नमन मुद्गल नर्मदापुरम जिले का रहने वाला था। ह घर का इकलौता बेटा था। पिता की मौत पर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। उसकी विवाह की बात भी चल रही थी। त्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूचना मिलते ही रायसेन एसडीओपी प्रतिभा शर्मा अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने घायल ललित मार्को और मृतक नमन मुद्गल को जिला अस्पताल पहुंचाया। एसडीओपी शर्मा ने बताया कि दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मौके पर घायलों को पहचानना मुश्किल था। उन्होंने पुष्टि की कि एसपी स्टेनो ललित मार्को के सिर में गंभीर चोट आई है, जिसके बाद उन्हें भोपाल रेफर किया गया।

कृषि क्षेत्र में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में शानदार प्रगति : लक्ष्य से आगे बढ़ता जिला

सीहोर, (निप्र)। जिले में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। कृषि, सिंचाई और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं में बेहतर क्रियान्वयन के चलते न केवल तय लक्ष्य पूरे किए गए, बल्कि कई क्षेत्रों में प्रभावी परिणाम भी देखने को मिले हैं।

तिलहन मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) के अंतर्गत समूह प्रदर्शन में 1500 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे पूरी तरह हासिल कर लिया गया। यह दर्शाता है कि किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए उत्पादन बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

प्रशिक्षण और तकनीकी जागरूकता में बढ़ोतरी

किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2025-26 में 59 प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया, जिसमें से लगभग शत प्रतिशत पूरे किए जा चुके हैं। इससे किसानों में नई तकनीकों और फसल प्रबंधन को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

सूक्ष्म सिंचाई योजना में प्रभावी क्रियान्वयन : प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीडीएमसी) के तहत स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिस्टम में 232 इकाइयों का लक्ष्य रखा गया था, जिसे पूरी तरह हासिल कर लिया गया। इससे जल संरक्षण के साथ-साथ खेती की लागत में कमी और उत्पादन में वृद्धि संभव हुई है।

स्वाइल हेल्थ में भी अच्छी प्रगति

स्वाइल हेल्थ एवं फर्टिलिटी के तहत 18,200 सैंपल का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें 14 मार्च 2026 तक लगभग 15000 से अधिक सैंपल का परीक्षण पूरा किया जा चुका है। यह किसानों को उनकी जमीन की गुणवत्ता के अनुसार उर्वरक उपयोग में मदद करेगा।

समग्र विकास की ओर बढ़ता कदम

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले में योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी तरीके से हो रहा है। प्रशासन और किसानों के संयुक्त प्रयासों से विकास की गति तेज हुई है, जिससे आने वाले समय में कृषि उत्पादन और किसानों की आय में और वृद्धि की उम्मीद है।

जल गंगा संवर्धन अभियान: ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

बैतूल, (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड भीमपुर के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था नव एकलव्य मानव सेवा समिति खुर्दा एवं जनकल्याण संस्था कुंड बकाजन के सहयोग से किया गया। साथ ही मास्टर ऑफ सोशल वर्क एवं बैचलर ऑफ सोशल वर्क के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान श्रमदान के माध्यम से बावड़ी के चारों ओर साफ-सफाई कर जल स्रोत के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता लवकेश मोरसे, पूजा मोरले, विजेश इरपाचे, दीपिका सराठे एवं ग्राम पंचायत बेला के रोजगार सहायक सुरेश विश्वकर्मा सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य गुन्नू उईके, अलकेश कुदारे एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। परामर्शदाता लवकेश मोरसे ने बताया कि यह अभियान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इसमें विकासखंड समन्वयक राजू मांडवे, जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी एवं संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी के निर्देशन में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद श्री मोहन नागर के मार्गदर्शन में पूरे मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव-गांव में विलुप्त हो चुके जल स्रोतों जैसे तालाब, कुएं, बावड़ी, नाले एवं छोटी नदियों का पुनर्जीवन ग्रामीणों के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम को जन आंदोलन का रूप देने के लिए विकासखंड भीमपुर में जल संगोष्ठी, प्रभात फेरी एवं ग्राम चौपाल जैसे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे जल की प्रत्येक बूंद को संरक्षित किया जा सके।

भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र किए वितरित

बैतूल, (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में बैतूल में भूकम्प पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में सोनाघाटी होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित 05 दिवसीय भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण 25 मार्च से 29 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के प्राचार्य, स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के चिकित्सक, नगर पालिका एवं पंचायत सचिव, पुलिस विभाग तथा सिविल डिफेन्स के वालेंटियरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य भूकम्प जैसी आपदा से पूर्व तैयारी एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता का विकास करना था। इस प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में भूकम्प से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रबंधन की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के श्री भूपेन्द्र सिंह एवं जिला चिकित्सालय के श्री हरी वाघमारे द्वारा बर्न जलने की स्थिति से बचाव एवं उपचार की जानकारी दी गई। जिला सैनानी श्री इन्दल उपनारे एवं प्लाटून कमाण्डर श्रीमती सुनीता पन्द्रे ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की गई। इस दौरान प्लाटून कमाण्डर श्रीमती सुनीता पन्द्रे, एएसआई श्री वीरनसिंह कुशराम, हवलदार अनुदेशक श्री बलीराम सरयाम, हवलदार स्टोरमेन श्री अवधेश वर्मा सहित होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के जवान तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चना व मसूर का उपार्जन 30 मार्च से 28 मई तक होगा

हरदा,(निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर फसल का उपार्जन 30 मार्च से 28 मई 2026 तक किये जाना है। उप संचालक कृषि श्री जे.एल. कास्दे ने बताया कि निर्देशों के परिपालन में जिले में 7 चना उपार्जन केंद्र शासकीय वेयरहाउस में स्थापित किये गये है। इनमें शासकीय वेयर हाउस खेडा – सेवा सहकारी समिति खेडा एवं सोनतालाई, शासकीय वेयरहाउस सुल्तानपुर – सेवा सहकारी समिति गहाल, मसनगाँव, रहटाकलां, शासकीय वेयर हाउस सक्तापुर – सेवा सहकारी समिति बेड़ियाकलां तथा शासकीय वेयरहाउस खिरकिया (कृषि उपज मंडी) – सेवा सहकारी समिति मोरगडी शामिल है। उप संचालक कृषि श्री कास्दे ने किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि चना उपार्जन केन्द्रों पर चना फसल के स्लॉट बुक कर, सुविधा अनुसार समयावधि में अपनी फसल का विक्रय कर सकते है।

परस्पर समन्वय से जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाएं रखें: कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

कानून व्यवस्था को लेकर सजग रहें, नरवाई/आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही की जाएं : पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन

बैतूल, (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित पुलिस एवं राजस्व विभाग की समन्वय बैठक में जिले के सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार एवं थाना प्रभारियों को दिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि दुर्घटनाओं के मामलों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा घायलों को व्यवस्थित उपचार मिले। 'राहवीर' और पीएम राहत योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व से संबंधित विवादित प्रकरणों के गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने राजस्व और पुलिस को नगरपालिका से सतत समन्वय बनाए रखने, दमकल एवं एम्बुलेंस सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित रखने तथा आवश्यक अनुमतियां निर्धारित प्रारूप में जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सभी ईंधनों के दाम, आवक एवं उपयोग पर नियंत्रण बनाए रखा जाए, ताकि आपूर्ति प्रभावित न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने कहा कि पुलिस एवं राजस्व के बीच बेहतर समन्वय से कानून व्यवस्था अच्छी बनी रहे। जनहित एवं कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में सतर्क और सजग रहें तथा स्थानीय मुद्दों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जाएं। उन्होंने नरवाई आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने, नगरपालिका के साथ समन्वय रखते हुए आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल श्री सुनील लाटा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तृप्ति पटेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने लोकभवन में पुष्पगुच्छ भेंट किया।

50 लाख श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की नई दरें

श्रम विभाग का फैसला, एक अप्रैल से उद्योगों और सरकारी विभागों में काम करने वालों को फायदा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के सरकारी और निजी सेक्टर में काम करने वाले करीब 50 लाख श्रमिकों को एक अप्रैल से 9 रुपए प्रतिदिन के मान से बढ़ा हुई परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जाएगा। इससे उनके वेतन में वृद्धि होगी। श्रम विभाग ने नए वित्त वर्ष के साथ प्रदेश के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन दरों में बदलाव कर दिया है। 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहने वाली इन नई दरों में बदलाव में सरकारी क्षेत्रों के 10 लाख और निजी सेक्टर खासतौर पर उद्योगों में काम कने वाले करीब 40 लाख श्रमिकों को न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के अंतर्गत यह लाभ मिलेगा, इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ता भी शामिल है।

श्रमायुक्त ने यह बदलाव महंगाई सूचकांक के आधार पर किया है। इसमें जुलाई से दिसंबर

2025 के औसत सूचकांक में वृद्धि के कारण वेतन में बढ़ोतरी लागू की गई है। श्रमायुक्त तन्वी हुड्डा द्वारा जारी आदेश में नई न्यूनतम वेतन दरें प्रतिदिन श्रम के आधार पर तय की गई हैं जिसमें 67 सामान्य नियोजन में काम करने वाले श्रमिकों को 26 दिन के आधार पर न्यूनतम वेतन इस तरह दिया जाएगा। इन 67 कैटेगरी में काम करने वालों को इसी आधार पर आने वाले समय में वेतन मिलेगा। अकुशल श्रमिक को महीने में 12425, अर्द्धकुशल श्रमिक को 13421, कुशल श्रमिक को 15144 और उच्च कुशल श्रमिक को 16769 रुपए प्रतिमाह वेतन मिलेगा जो 26 दिन के मान से दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायक सम्मेलन का समापन

पीएम मोदी के विकसित भारत का सपना युवाओं की सक्रियता से होगा पूरा : उप सभापति राज्यसभा सिंह

भोपाल (एजेंसी)। उप सभापति राज्यसभा श्री हरिवंश सिंह ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था है। भारत चुनौतियों से निपट कर नया इतिहास बना रहा है और आने वाली सदी भारत की होगी। इसके लिए सकारात्मक और दूरदर्शी सोच के साथ कार्य करना आवश्यक है। उप सभापति राज्यसभा श्री सिंह

- **देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य कर साकार करें विकसित भारत@2047 की परिकल्पना : तोमर**

विधानसभा में आयोजित मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन (राष्ट्रकुल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-6) के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी एवं विकसित भारत@2047 में विधायकों की भूमिका पर विचार व्यक्त किये गये।

उप सभापति राज्यसभा श्री सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि युवा देश का इतिहास, दिशा और भविष्य बदल सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का सपना युवाओं की सक्रियता से ही पूरा होगा। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की यही गति जारी रही तो वर्ष@2047 के पहले भी भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि विकसित भारत@2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए युवा विधायकों को समसामयिक परिस्थितियों में देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य करना होगा। नेतृत्व विकास के लिए सकारात्मक सोच और अनुशासन से कार्य करना होगा। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने युवा विधायकों को संकल्प दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का विकसित भारत@2047 का विजन केवल सरकार का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। युवा विधायक चुनौतियों का समाधान कर अपनी नेतृत्व क्षमता का नवाचार में उपयोग करें। युवा नेतृत्व समाज की सोच में परिवर्तन ला सकता है। सुशासन के क्षेत्र में प्रयास हों और विकास को जनआंदोलन बनाया जाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिए नागरिकों का जागरूक होना अनिवार्य है। श्री तोमर ने बताया कि युवा विधायकों ने टेक्नोलॉजी, स्वच्छता, सोलर एनर्जी, शिक्षा गुणवत्ता, अधोसंरचना, जनसंवाद और जनकल्याण पर विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने युवा विधायकों को सीख दी कि अध्ययन का विशेष महत्व होता है और विद्यार्थी भाव सदैव बना रहना चाहिए। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन इंडिया रीजन के डॉ. राहुल कराड़ ने कहा कि हर विधानसभा में इस तरह के सम्मेलन किये जाना चाहिए। समाज का रूख बदलने में विधायकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। विधायक अपने-अपने क्षेत्र के ब्रांड एम्बेसेडर होते है। उन्होंने ट्रेनिंग और एजुकेशन के साथ एआई के महत्व को भी बताया। सम्मेलन में विधानसभा के सात दशक पर केन्द्रित विधायिनी पत्रिका का विमोचन हुआ। विधायक सर्वश्री डॉ. अभिलाष पाण्डेय, संतोष वरवडे, सुश्री रामसिया भारती, छत्तीसगढ़ से श्रीमती विद्यावती सिदार, राजस्थान से श्री थावर चंद सहित अन्य विधायकों ने विचार व्यक्त किये। दो दिवसीय सम्मेलन में तीन राज्यों के लगभग 40 विधायकों ने सम्मेलन में दिए गए विषयों पर अपने वक्तव्य दिए।

कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सीताशरण शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय सहित अन्य पदाधिकारी एवं युवा विधायक मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में विधानसभा के सचिव श्री अरविन्द शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

आधी रात को प्रेमिका से मिलने पहुंचा था प्रेमी

- **परिवार ने रंगे हाथ पकड़ा और उतार दिया मौत के घाट**

शिवपुरी (नप्र)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जहां इश्क का अंजाम मौत के रूप में सामने आया। करैरा थाना क्षेत्र के एक गांव में आधी रात को अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की लड़की के परिजनों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है और पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

आधी रात का खौफनाक मंजर

जानकारी के अनुसार, मृतक युवक का गांव की ही एक युवती से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात युवक चुपके से प्रेमिका के घर उससे मिलने पहुंचा था। इसी दौरान लड़की

के परिजनों की नींद खुल गई और उन्होंने युवक को घर के भीतर ही रंगे हाथ पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद युवक की रहम की अपील का उन पर कोई असर नहीं हुआ।

लाठी-डंडों से वार कर उतारा मौत के घाट

आरोप है कि लड़की के पिता, भाइयों और अन्य परिजनों ने युवक को घेर लिया और उस पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि वह अधमरा होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर जब तक पुलिस और परिजन उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश करते, युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

स्थानीय पुलिस अधिकारी, करैरा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक लड़की के घर गया था जहाँ विवाद हुआ और मारपीट में उसकी मौत हो गई। हमने मामला दर्ज कर लिया है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।